राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर–273 014 (उ.प्र.)

Web : www.mpm.edu.in | e-mail : mpmpg5@gmail.com | Phone : 7897475917, 9794299451

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत–

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि–

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन–अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित साढ़े तीन दर्जन से भी अधिक शिक्षण-संस्थाओं में 25 हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरूदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1957-58 ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिन्ह खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरूष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई.में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

1949-50 ई. में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त 1958 ई. में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्विद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में साढ़े तीन दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण तथा सेवा केन्द्र संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ पी. जी. कालेज, सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, गोरखनाथ, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा बिहार रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी, पीपीगंज, गुरू गोरखनाथ विद्यापीठ, पितेश्वरनाथ मन्दिर, कान्हापार, भरवहिया, पीपीगंज, महायोगी गुरू गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र भरवहिया पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरू श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग गोरखनाथ मन्दिर, महायोगी गुरू गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ एवं योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवाश्रम (छात्रावास) जंगल धूसड़, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार तथा दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार तथा आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, देवीपाटन, तुलसीपुर, बलरामपुर प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरू गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

संख्या-ओ-संदेश/सीएम-1/2018

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर का समावर्तन संस्कार समारोह दिनांक 25 फरवरी, 2018 को आयोजित किया जा रहा है।

श्री गोरक्षनाथ मन्दिर ने शिक्षा और स्वास्थ्य को जनसेवा का प्रमुख माध्यम बनाया है। ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की गई थी। परिषद द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय सहित प्रत्येक स्तर की शिक्षा के लिए अनेक विद्यालय, पॉलीटेक्निक, कॉलेज ऑफ नर्सिंग आदि संचालित किए जा रहे हैं।

महाराणा प्रताप स्वतंत्रता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। ऐसे राष्ट्रनायक के आदर्शों को युवा पीढ़ी में रोपित करने के उद्देश्य से ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुए ग्रामीण अचंल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की।

अनुशासित वातावरण में गुणवत्तापरक एवं संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करते हुए महाविद्यालय ने अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी यह संस्थान गोरखपुर एवं समीपवर्ती जनपदों के छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट श्रेणी की शिक्षा प्रदान करता रहेगा।

समावर्तन संस्कार समारोह की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

सचिव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

प्रबन्धक/सचिव, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

लाल बहादुर शास्त्री भवन, लखनऊ

Dr. Bholendra Singh
M.Com. Ph.D.
Ex. Vice Chancellor
Poorvanchal University, Jaunpur

☎ 0551-2256934
Residence :
A-64, Surajkund Colony,
Gorakhpur-273 001

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल अविस्मरणीय है। 1932 ई. में ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ शिक्षण संस्थानों की जो शृंखला खड़ी हुई, उसमें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना उच्च शिक्षा में बढ़ते कदम का अगला पड़ाव था। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की इच्छा एवं प्रेरणा से स्थापित यह महाविद्यालय तेरहवाँ वर्ष पूरा करने जा रहा है। इस सत्र में महाविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त कर चुके ग्यारहवें 'बैच' एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर चुके सातवें 'बैच' के लिए 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन एक प्रशंसनीय प्रयास है। इस प्रयास की सफलता हेतु मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना एवं धन्यवाद प्रेषित कर रहा हूँ।

(भोलेन्द्र सिंह)
अध्यक्ष–महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
गोरखपुर

प्रो. यू. पी. सिंह
पूर्व कुलपति

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर (उ.प्र.)

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की शृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की देख-रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में 1955 से 1958 ई. तक कार्य करने का मुझे सुअवसर मिला जिस भूमि भवन पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई।

अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के ग्यारहवें 'समावर्तन संस्कार' समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

यू॰ पी॰ सिंह

(यू.पी. सिंह)
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, अध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

प्रो. वी. के. सिंह
कुलपति

Prof. V. K. Singh
Vice Chancellor

दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर–273 009 (उ.प्र.)

D.D.U. Gorakhpur University
Gorakhpur-273 009 (U.P.)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'समावर्तन संस्कार समारोह' का आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज उच्च स्तर का शिक्षण, शोध एवं सकारात्मक गतिविधियों में नित नई ऊंचाइयाँ प्राप्त करेगा और इस महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन के भावी पथ पर अग्रसर होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को यह 'समावर्तन संस्कार समारोह' नई दिशा प्रदान करेगा। मैं सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ और आशा करता हूँ कि वे अपने श्रेष्ठ जीवन-मूल्यों के साथ सामाजिक जीवन में प्रवेश करेंगे तथा उच्चतम शिखर पर पहुँचकर महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

मैं 'समावर्तन संस्कार समारोह' के सकुशल आयोजन एवं स्मारिका के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

(प्रो. वी. के. सिंह)
कुलपति

☎ 0551-2201577 (O), 2340458 (R) **Fax** : 0551-2330767 (O), 2340459 (R), **E-mail** : vcddugu@gmail.com

न्यायमूर्ति रण विजय सिंह

फरवरी 19, 2018

शुभकामना संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय 25 फरवरी को 'समावर्तन संस्कार समारोह' कर रहा है। शिक्षा का उद्देश्य एवं सार्थकता इसी में है कि मनुष्य को संतुलित, संयमित और श्रेष्ठ जीवन प्रदान करने के साथ मुक्ति का मार्ग भी प्रशस्त करे इन्हीं महान उच्च आदर्शों को स्थापित करने तथा अन्य विद्यालयों को भी सही दिशा प्रदर्शित करने हेतु युग पुरूष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने सन् 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की जिसके द्वारा रोपित एक नन्हा सा पौधा (वर्तमान महाविद्यालय) पल्लवित एवं पुष्पित होते हुए एक महान वट वृक्ष का रूप ले रहा है जो वरबस ही ज्ञानार्थियों एवं शिक्षार्थियों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रहा है।

मैं समावर्तन संस्कार के सफल आयोजन एवं इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु आयोजकों एवं महाविद्यालय परिवार को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(रण विजय सिंह)

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2008	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **कर्नल बी.पी. शाही,** ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2009	अध्यक्षता	: **प्रो. एन.एस. गजभिए,** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय,** उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन 2010	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री बसवराज पाटिल,** पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलबर्ग कर्नाटक
समावर्तन 2011	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **पद्मश्री प्रकाश सिंह,** पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश
समावर्तन 2012	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री आशीष जी,** अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार
समावर्तन 2013	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **डॉ. कृष्ण गोपाल,** सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली
समावर्तन 2014	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति कलाधर शाही,** अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन 2015	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. राम शंकर कठेरिया,** राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
	विशिष्ट अतिथि	: **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर,** पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
समावर्तन 2016	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी,** कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.
	विशिष्ट अतिथि	: **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय,** राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना
समावर्तन 2017	अध्यक्षता	: **डॉ. भोलेन्द्र सिंह,** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. रमाशंकर दूबे,** कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार
	विशिष्ट अतिथि	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह,** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
समावर्तन 2018	अध्यक्षता	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह,** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति श्री रण विजय सिंह,** माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
	विशिष्ट अतिथि	: **डॉ. विवेक कुमार निगम,** यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद

मुख्य अतिथि

न्यायमूर्ति रणविजय सिंह

न्यायाधीश उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के ग्यारहवें समावर्तन संस्कार समारोह के मुख्य अतिथि महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ की तपोभूमि-कर्मभूमि की इसी माटी में 18 अप्रैल, 1956 को जन्मे न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह जी वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश के पद पर आसीन हैं।

1974 ई. में गोरखपुर विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक तथा 1977 ई. में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से विधि की उपाधि प्राप्त करने के उपरान्त आप उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में 1979 में अधिवक्ता हेतु नामांकित होने के साथ ही न्याय जगत में सक्रिय एवं कर्त्तव्यनिष्ठ हस्ताक्षर के रूप में प्रतिष्ठित हुए। 1981 ई. में इलाहाबाद हाईकोर्ट में दीवानी, फौजदारी, राजस्व तथा संवैधानिक मामलों के संवेदनशील अधिवक्ता के रूप में आपकी ख्याति से न्यायजगत पूर्व परिचित है।

1992 ई. से 1994 ई. तक उत्तर प्रदेश स्पेशल कौंसिल, 1997 ई. में कानपुर विकास अधिकरण के कौंसिल, 1998 ई. में उत्तर प्रदेश स्टैण्डिंग कौंसिल के रूप में आपकी सेवाएँ उल्लेखनीय हैं। 2004 ई. में किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ विश्वविद्यालय में परामर्शी दायित्व का सेवाकार्य महत्वपूर्ण है। सम्प्रति 2006 ई. से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में माननीय न्यायाधीश के पद पर आमजन की न्याय के प्रति विश्वास एवं अपेक्षा पर न्यायपालिका निरन्तर खरी उतरे, इस दिशा में

आपके निर्णय एवं प्रयास अनुकरणीय है।

न्यायपालिका की सुचिता एवं पारदर्शिता को लेकर आपकी सजगता जगजाहिर है। समाज का क्षेत्र हो, आध्यात्म का क्षेत्र हो या फिर न्यायपालिका का क्षेत्र हो इस प्रकार के सभी सभा-सम्मेलनों, संगोष्ठियों में आपके व्याख्यान का केन्द्रीय विचार कत्तर्व्य निष्ठता एवं ईमानदारी पूर्वक जबाबदेही के साथ कार्य करने की प्रेरणा देने वाला रहता है। विशेष रूप से न्याय के क्षेत्र में सेवा कार्य करने वाले लोगों को निरन्तर पढ़ने और नियमित अपने कार्यालय में बैठने का आग्रह करना इस बात का प्रमाण है। सभी व्याख्यानों में आपका यह आग्रह, कि सीनियर-जूनियर के सोच के स्थान पर गुरु-शिष्य की परम्परा का विकास किया जाना चाहिए। अधिवक्ताओं के बीच अनवरत संवाद के माध्यम से न्याय के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श का प्रयास न्याय व्यवस्था के प्रति आपके समर्पण का ही सूचक है।

गोरखपुर परिक्षेत्र में जन्म लेने, शिक्षा प्राप्त करने और गोरखपुर के प्रशासनिक न्यायमूर्ति के रूप में हम सब के अपने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश श्री रणविजय सिंह जी का महाविद्यालय के ग्यारहवें समावर्तन संस्कार समारोह में हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन है।

दो शब्द...

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के तेरह वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का ग्यारहवाँ बैच स्नातक एवं सातवाँ बैच परास्नातक तथा बी.एड्. का दूसरा बैच शिक्षा पूर्ण कर इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग सवा अरब लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर एवं बी.एड्. की शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। आजादी से लेकर कुछ वर्ष पूर्व तक सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारती धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया था। परिणामत: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई। परिवार संस्था भी कमजोर होती गयी। गाँव विरान होते गये। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने आया। पिछले साढ़े छ: दशक में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ तथा कुछ विश्वविद्यालय परिसरों में राष्ट्र विरोधी तत्त्वों का संरक्षण निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक रहा है।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के लगभग सात दशक बाद भी हम मैकाले के भूत से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। मैकाले द्वारा प्रतिष्ठित शिक्षा नीति आज तक प्रभावी है और उसके

उद्देश्य-'पाश्चात्य शिक्षा व विचारों के प्रभाव से ऐसे भारतीय पैदा करना जो बौद्धिक दृष्टि से गुलाम हों'-को पूरा करने में ही लगी हुई है। पिछले साढ़े छः दशक तक 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक रही है। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के उसके मानस-पुत्रों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? यद्यपि कि अब देश एवं प्रदेश की राजनीति ने करवट ली है और सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा भी इस दिशा में प्रयत्न प्रारम्भ हुए हैं तथापि हम अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है उनके प्रयासों को, कुछ शिक्षण संस्थानों में ही सही निष्फल कर सकते हैं और भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (1932 ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी महन्थ परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन गोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि - फाल्गुन शुक्ल 10, वि.सं. 2074, युगाब्द 5119
(25 फरवरी 2018 ई., रविवार)

ग्रीष्मावकाश के कार्यक्रम

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला में महाविद्यालय की सहभागिता

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के अवसर पर उपस्थित पूज्य महाराज जी एवं अन्य अतिथिगण

15 से 21 जून 2017 तक गुरू श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला का उद्घाटन 15 जून को परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज की अध्यक्षता में श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर में स्थित महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह मे मुख्य अतिथि कटक (उड़ीसा) के प्रतिष्ठित योगपीठ के महन्त शिवनाथ जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उद्घाटन समारोह में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह, प्रतिष्ठित अधिवक्ता श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा, राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद के पूर्व कुलपति तथा उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राम अचल सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजयकृष्ण सिंह, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. श्रीनिवास सिंह, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के कुलपति प्रो. योगेन्द्र सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रो. एन.पी. भोक्ता, प्रतिष्ठित साहित्यकार प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के डॉ. सन्तोष शुक्ल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

व्याख्यान देते प्रो. द्वारकानाथ एवं मंचस्थ अतिथि

15 जून को ही सायं योग के सैद्धान्तिक सत्र में 'योग एवं स्वास्थ्य' विषय पर कार्यक्रम अध्यक्ष कटक, उड़ीसा के श्री महन्त शिवनाथ जी महाराज, मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. द्वारकानाथ का शोधपूर्ण व्याख्यान हुआ। शैक्षिक सत्र में 'भारतीय ज्ञान परम्परा' विषय पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ

उपाध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत विभाग के डॉ. संतोष कुमार शुक्ल का शोधपूर्ण व्याख्यान हुआ।

शैक्षिक सत्र में व्याख्यान देते प्रो. सरोज कुमार वर्मा

16 जून को योग के सैद्धान्तिक सत्र में 'योग का मनोविज्ञान' विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता महन्त शिवनाथ जी महाराज, मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. डी.एन. यादव का महत्वपूर्ण व्याख्यान हुआ। शैक्षिक सत्र के अन्तर्गत 'शिक्षा के आदर्श एवं उद्देश्य' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. उदय प्रताप सिंह एवं मुख्य वक्ता डॉ. भीम राव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. सरोज कुमार वर्मा का व्याख्यान हुआ।

शैक्षिक सत्र में व्याख्यान देते प्रो. नरेश चन्द्र भोक्ता

17 जून को योग के सैद्धान्तिक सत्र में 'प्रणायाम' विषय पर संगोष्ठी की अध्यक्षता महन्त शिवनाथ जी महाराज ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में योगाचार्य श्री हरिनारायण दूबे एवं बुद्ध पी.जी. कालेज, कुशीनगर के डॉ. वाई.पी. कोहली का व्याख्यान हुआ। शैक्षिक सत्र के अन्तर्गत 'आदर्श शिक्षक' विषय पर संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. उदय प्रताप सिंह ने किया। मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र के प्रो. नरेश चन्द भोक्ता का मूल्यवान व्याख्यान हुआ।

शैक्षिक सत्र में व्याख्यान देते प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्ता

18 जून को योग के सैद्धान्तिक सत्र में 'मुद्रा एवं बन्ध' विषय पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता महन्त शिवनाथ जी महाराज ने तथा मुख्य वक्ता योग प्रशिक्षक श्री जयन्तनाथ का व्याख्यान हुआ। शैक्षिक सत्र के अन्तर्गत 'आदर्श शिक्षण संस्था एवं उसका स्वरूप' विषय पर संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. उदय प्रताप सिंह ने किया तथा मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त का व्याख्यान हुआ।

19 जून को योग के सैद्धान्तिक सत्र के अन्तर्गत 'नाद योग साधना' विषय पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता महन्त शिवनाथ जी महाराज ने तथा मुख्य वक्ता के रूप में योग प्रशिक्षक श्री दीनानाथ राय उपस्थित रहे। शैक्षिक सत्र के अन्तर्गत 'हम और हमारी संस्था' विषय पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की तथा मुख्य वक्ता दिग्विजय नाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के बी.एड. विभाग के डॉ. राजशरण शाही का महत्वपूर्ण व्याख्यान हुआ।

शैक्षिक सत्र में व्याख्यान देते डॉ. राजशरण शाही

20 जून को योग के सैद्धान्तिक सत्र के अन्तर्गत 'अजपाजप' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता महन्त शिवनाथ जी महाराज तथा मुख्य वक्ता डॉ. राजशेखर यादव का व्याख्यान हुआ। शैक्षिक सत्र के अन्तर्गत 'कार्य और कार्यपद्धति' विषय पर संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. उदय प्रताप सिंह ने किया तथा मुख्य वक्ता के रूप में महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव का मूल्यवायी व्याख्यान हुआ।

शैक्षिक सत्र में व्याख्यान देते डॉ. प्रदीप कुमार राव

15 से 21 जून तक आयोजित इस कार्यक्रम में प्रात: एवं सायंकाल में योग के विभिन्न मुद्राओं का विशेषज्ञों द्वारा अभ्यास एवं प्रशिक्षण कराया गया। योग अभ्यास में सात दिनों तक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले साधकों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

21 जून को साप्ताहिक योग-शिविर का समारोप में लगभग पाँच हजार योग-अभ्यासियों के योगाभ्यास किया। तत्पश्चात् पूर्व कुलपति प्रो. यू. पी. सिंह की अध्यक्षता में शैक्षिक कार्यशाला का समारोप कार्यक्रम में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री सूर्यप्रकाश केसरवानी का उद्बोधन हुआ। मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो. राम अचल सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ. मानेन्द्र प्रताप सिंह तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राजभाषा सलाहकार डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह थे। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का संकलन कर महाविद्यालय द्वारा 'श्री गोरक्षपीठ : योग और शिक्षा' नामक पत्रिका का प्रकाशन किया गया।

शैक्षिक सत्र के समापन कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्री सूर्य प्रकाश केसरवानी

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2017–18)

वार्षिक योजना बैठक

03 एवं 04 जुलाई की वार्षिक योजना बैठक महाविद्यालय के जगतजननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न हुयी। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। बैठक में महाविद्यालय के शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही (विस्तृत विवरण आगे अंकित है)।

वार्षिक योजना बैठक में विचार-विमर्श

पौधारोपण कार्यक्रम

महाविद्यालय में 4 जुलाई को स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वन महोत्सव के अन्तर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पिपराइच के विधायक श्री महेन्द्र पाल सिंह ने 'आम' और 'मौलश्री' का पौध लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवक-सेविकाओं सहित प्राध्यापक, कर्मचारियों एवं प्राचार्य ने पौधारोपण किया।

पौधरोपण कार्यक्रम में विधायक श्री महेन्द्र पाल सिंह एवं अन्य

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया

महाविद्यालय में बी.ए., बी.एस-सी. एवं बी. काम. तथा एम.ए. राजनीतिशास्त्र, प्राचीन इतिहास एवं एम.काम. तथा एम.एस-सी. रसायन शास्त्र में प्रवेश प्रक्रिया 10 जुलाई से प्रारंभ हुई।

छात्र प्रवेश समिति प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी का साक्षात्कार करते हुए

शैक्षिक कक्षायें प्रारंभ

महाविद्यालय में बी.ए., बी.एस-सी., बी.काम., एम.ए. (राजनीतिशास्त्र), (प्राचीन इतिहास), एम.काम. तथा एम.एस-सी. रसायनशास्त्र के प्रथम वर्ष की कक्षायें 15 जुलाई से तथा द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षायें 17 जुलाई में आरम्भ हुई।

छात्रसंघ संविधान संशोधन समिति बैठक

महाविद्यालय में गठित छात्रसंघ संविधान संशोधन समिति की बैठक 24 जुलाई को जगतजननी माँ

सीता सभागार में संपन्न हुई। प्राचार्य की अध्यक्षता में गठित 15 सदस्यीय संशोधन समिति में छात्रसंघ के सभी पदाधिकारी, कला, वाणिज्य, विज्ञान, बी.एड. संकायों के मनोनीत विद्यार्थी सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य नियन्ता, प्रशासक, संकाय प्रभारी तथा छात्रा प्रमुख इस समिति में पदेन सदस्य थे।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस

27 जुलाई को राजनीतिशास्त्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 'संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति की भूमिका' विषय पर डी.ए.वी. पी.जी. कालेज, गोरखपुर के राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पंकज तिवारी ने व्याख्यान दिया। इस अवसर पर डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. यशवंत कुमार राव, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह सहित राजनीतिशास्त्र के विद्यार्थी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

व्याख्यान देते डॉ. पंकज तिवारी

छात्रसंघ की कार्यकारिणी बैठक

छात्रसंघ की कार्यकारिणी की बैठक 31 जुलाई को पुस्तकालय सभागार में सम्पन्न हुयी। बैठक में सत्र 2016–17 के चुने हुये कक्षा प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक में विगत वर्ष के छात्रसंघ द्वारा किये गये कार्यों का अनुमोदन किया गया तथा छात्रसंघ की साधारण सभा बुलाने का भी निर्णय हुआ।

छात्रसंघ की कार्यकारिणी की बैठक में प्रभारी तथा सदस्यगण

प्रार्थना सभा का प्रारम्भ

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 01 अगस्त से महाविद्यालय में नियमित प्रार्थना सभा का आयोजन प्रारम्भ हुआ। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रात: 9.25 बजे से क्रमश: राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईशोपासना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होता है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष/घटना

प्रार्थना सभा में शिक्षक एवं विद्यार्थी

की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होता है, तो उस दिन महापुरुष/घटना के संदर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भगवत्‌गीता का हिन्दी अनुवाद सदित 5 श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी और प्राचार्य सभी सम्मिलित रहते हैं।

नव आंगतुक विद्यार्थियों का स्वागत समारोह

01 अगस्त को महाविद्यालय में प्रथम वर्ष में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत समारोह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें महाविद्यालय के स्वस्थ्य परिसर संस्कृति से भी अवगत कराया। इस अवसर पर छात्रसंघ की साधारण सभा भी आयोजित की गई जिसमें पिछले सत्र के बजट व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया तथा विद्यार्थियों ने अपनी अपेक्षाओं से महाविद्यालय को अवगत कराया।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते प्राचार्य

छात्रसंघ की साधारण सभा में अपनी बात रखती छात्रा

सिविल सर्विसेज की तैयारी हेतु सामान्य अध्ययन की कक्षाऐं

महाविद्यालय में सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की निःशुल्क कक्षायें 01 अगस्त से सातवीं घण्टी में मदनमोहन मालवीय कक्ष में प्रारंभ हुयी।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में एक दिवसीय व्याख्यान

5 अगस्त को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा एक दिवसीय व्याख्यान 'वर्तमान परिदृश्य में नाभिकीय संयत्रों की भूमिका' विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के शोध-छात्र श्री अमित त्रिपाठी, श्री इन्द्रजीत कुमार तथा श्री राकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। व्याख्यान की प्रस्ताविकी रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी श्री अशुमान सिंह ने प्रस्तुत किया।

भारत छोड़ो आंदोलन तथा काकोरी काँड स्मृति दिवस

9 अगस्त 1942 ई. के "भारत छोड़ो आंदोलन" की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उद्‌बोधन दिया तथा साथ ही साथ उसी दिन अर्थात् 9 अगस्त 1925 ई. में घटित

होने वाली महत्वपूर्ण क्रान्तिकारी घटना 'काकोरी काँड' पर भी इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए।

खुदीराम बोस बलिदान दिवस

11 अगस्त को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद खुदीराम बोस बलिदान दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राचीन इतिहास विषय के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने उद्‌बोधन दिया।

अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस

12 अगस्त को महाविद्यालय में अमर शहीद बन्धू सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में कार्यक्रम आयोजित हुआ। राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने 1857 के अमर शहीद बन्धु सिंह के जीवन और बलिदान से सम्बन्धित घटनाओं का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीयता विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अखण्ड भारत स्मृति दिवस

13 अगस्त को भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित अखण्ड भारत स्मृति दिवस पर 'भारत विभाजन की परिस्थितियाँ' विषय पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में राजनीतिशास्त्र के आचार्य एवं प्रतिष्ठित चिंतक-विचारक प्रो. तेज प्रताप सिंह का शोधपूर्ण व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की

प्रार्थना सभा में भारत छोड़ो आन्दोलन के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी

प्रार्थना सभा में खुदीराम बोस जयन्ती के अवसर पर श्रोतागण

अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस पर व्याख्यान

अखण्ड भारत स्मृति दिवस कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथि

भाँति देश का 71वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्सवपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान, वन्देमातरम सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य ने परम्परानुसार अपने उद्बोधन में महाविद्यालय की वार्षिक योजना प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय के प्रयत्नों को ही शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट करते हुए राष्ट्रनिर्माण में महाविद्यालय के योगदान पर व्याख्यान दिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में देश भक्ति गीत प्रस्तुत करती छात्राएं

सप्त दिवसीय राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला उद्घाटन समारोह

17 से 23 अगस्त तक आयोजित होने वाला राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यान माला का उद्घाटन कार्यक्रम 17 अगस्त को सम्पन्न हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. विजय कृष्ण सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मुख्य वक्ता प्रो. हरिकेश सिंह, कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राम अचल सिंह पूर्व कुलपति, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद ने की।

व्याख्यान माला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अतिथिगण

व्याख्यान-माला के दूसरे दिन

18 अगस्त को आई केयर इण्डिया लखनऊ के श्री यू.पी. त्रिपाठी ने 'जीवन कौशल' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की दूसरी वक्ता हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने मैथिली शरण गुप्त के काव्य में 'राष्ट्रीय चेतना' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने की।

व्याख्यान माला में श्री यू.पी. त्रिपाठी

व्याख्यान माला के तीसरे दिन

व्याख्यान माला में व्याख्यान देते डॉ. मानेन्द्र प्रताप सिंह

19 अगस्त को 'भारत की शिक्षानीति और महन्त दिग्विजयनाथ' विषय पर व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पूर्व सदस्य सचिव डॉ. मानेन्द्र प्रताप सिंह ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट व्याख्यान भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा 'पर्यावरण' विषय पर विचार प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की प्रवक्ता सुश्री प्रगति पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान माला के चौथे दिन

व्याख्यान माला में व्याख्यान देते श्री मृत्युंजय कुमार सिंह

20 अगस्त को सहायक आयुक्त राज्य कर देवरिया के श्री मृत्युंजय कुमार सिंह ने 'जी.एस.टी. -एक परिचय' विषय पर उत्प्रेरक व्याख्यान पावर प्वाइंट के माध्यम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गया विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. महेश कुमार शरण, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के बी.एड. विभाग के आचार्य एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही सहित महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन

व्याख्यान माला में व्याख्यान देते डॉ. लालमणि तिवारी

21 अगस्त को ''भारतीय संस्कृति: अवधारणा एवं महत्व'' विषय पर गीताप्रेस, गोरखपुर के प्रकाशन व्यवस्थापक, डॉ. लालमणि तिवारी ने अपना मूल्यवान व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षण प्रशिक्षण की उपयोगिता' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

व्याख्यान माला के छठा दिन

22 अगस्त को "राष्ट्र की अवधारणा" विषय पर प्रज्ञा-प्रवाह उत्तर प्रदेश, झारखंड एवं बिहार के संयोजक श्री रामाशीष सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक श्री मुकेश खांडेकर, सह प्रांत प्रचारक श्री सुभाष, श्री कौस्तुभ नारायण मिश्र सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

व्याख्यान माला में व्याख्यान देते श्री रामाशीष सिंह

व्याख्यान माला : समापन समारोह

23 अगस्त को महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान-माला के समापन समारोह पर मुख्य अतिथि, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के कुलपति प्रो. योगेन्द्र सिंह, अध्यक्ष के रूप में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह, मुख्य वक्ता के रूप में राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद के पूर्व कुलपति प्रो. रामअचल सिंह का मार्गदर्शन एवं उद्‌बोधन के माध्यम से विद्यार्थियों को आशीवर्चन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार सिंह एवं मगध विश्वविद्यालय बोध गया, बिहार के पूर्व आचार्य डॉ. महेश कुमार शरण उपस्थित रहे।

व्याख्यान माला के समापन समारोह के अवसर पर मंचस्थ अतिथि

बाढ़ राहत कार्य (21 अगस्त से 24 अगस्त तक)

महाविद्यालय के शिक्षकों के नेतृत्व में 10-10 विद्यार्थियों की छः टीमों ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे बाढ़ राहत केन्द्रों पर सहयोग किया। इस राहत कार्य में डॉ. विजय कुमार चौधरी (विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग) नौसढ़ चौराहे पर दीपक कुमार सिंह, अमित कुमार श्रीवास्तव, माधवेन्द्र मिश्रा, किशन सिंह, अंकित तिवारी, अभिषेक मद्धेशिया, दिशान्त श्रीवास्तव, अरूण साहनी, धनंजय कुमार विश्वकर्मा। डॉ. शिव कुमार

बाढ़ राहत सामग्री के वितरण में सहयोग करते महाविद्यालय के छात्र एवं शिक्षक

बर्नवाल (विभागाध्यक्ष, रसायन विभाग) प्राथमिक पाठशाला सिक्टौर पर, सोमनाथ कन्नौजिया, देवेन्द्र पाण्डेय, शैलेश चौहान, ऋषिकेश मिश्रा, नितेश पाल, अश्वनी प्रजापति, अरविन्द शर्मा। डॉ. राम सहाय (सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान) प्राथमिक विद्यालय बड़गो, खोराबार पर रविप्रताप नागवंशी, पंकज कुमार चौहान, अनिल कुमार चौहान, अविनाश कुमार प्रजापति, शैलेन्द्र प्रजापति, अविनाश निषाद, सुनील कुमार सिंह, अभिषेक जायसवाल, आकाश गुप्ता, अश्विनी पाण्डेय। श्री अभिषेक वर्मा (सहायक आचार्य, भौतिकी विभाग) प्राथमिक विद्यालय इलाहीबाग, गोरखपुर पर सुशील कुमार सिंह, रंजन कुमार प्रजापति, अमरनाथ पाण्डेय, सत्यप्रकाश, दीपक प्रजापति, अजय यादव, आकाश प्रजापति, गौरव जायसवाल, जयप्रकाश शर्मा। श्री नन्दन शर्मा (सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग) शिवमंदिर, खोराबार कृष्णा नन्द तिवारी, विवेक विश्वकर्मा, सुधीर सिंह, संदीप तिवारी, अनुपम कुमार, सत्यप्रकाश पाण्डेय, रमन कुमार, विवेक कुशवाहा। श्री संजय जायसवाल (सहायक आचार्य, रसायनशास्त्र विभाग) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिक्टौर पर राहुल गिरि, मनीष कुमार शर्मा, सुधीर कुशवाहा, रविप्रकाश मिश्र, सुधांशु, सूर्य भूषण प्रताप, सौरभ जायसवाल, सूर्यप्रताप सिंह, आयुष पाल एवं प्रभात शेखर आजाद ने मानव सेवा के इस अभियान में सहयोग किया।

देश की स्वच्छता रैंकिंग में 170 विश्वविद्यालयों-महाविद्यालयों में महाविद्यालय भी

25 अगस्त को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा देश भर के विश्वविद्यालयों - महाविद्यालयों में 'स्वच्छता रैंकिंग ऑफ हायर एजुकेशनल इन्स्टीट्यूशन्स' के अन्तर्गत चयनित 170 विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ ने भी अपना स्थान बनाई। देश भर से 2600 से अधिक विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मूल्यांकन के बाद 170 कॉलेजों को स्वच्छता रैंकिंग हेतु चुना गया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने महाविद्यालय का निरीक्षण किया।

स्वच्छता जाँच में आई टीम महाविद्यालय का भ्रमण करती हुयी

स्वच्छता जाँच में आई टीम के साथ प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं शिक्षक

जौहर दिवस

26 अगस्त को प्रार्थना सभा में भारत की वीरांगनाओं के गौरवपूर्ण इतिहास के क्रम में रानी

पद्मिनी के त्याग और बलिदान की गौरवगाथा का 'जौहर दिवस' के अवसर पर राजनीतिशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने भारत के इस अमर बलिदानी परम्परा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

स्ववित्तपोषित महाविद्यालय प्राचार्य सम्मेलन

27 अगस्त को महाविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों का सम्मेलन 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता' विषय पर आयोजित हुआ।

सम्मेलन में उपस्थित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यगण

छात्रसंघ चुनाव : कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव

28 अगस्त को छात्रसंघ के अंतर्गत कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव संपन्न हुआ जिसमें सभी 81 में से 75 कक्षा प्रतिनिधि चुने गए। 6 पदों पर अभ्यर्थी न होने के कारण चुनाव नहीं हो पाया। प्रतिनिधियों का चुनाव उनके शैक्षिक गुणवत्ता के आधार पर किया जाता है। अपनी-अपनी कक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी ही कक्षा प्रतिनिधि चुने जाते हैं और उन्हीं में से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री एवं पुस्तकालय मंत्री के पद हेतु प्रत्याशी बन सकते हैं। कक्षा प्रतिनिधि चुनाव उपरान्त छात्रसंघ के विभिन्न पद हेतु पर्चा दाखिला हुआ। अध्यक्ष पद पर 03, उपाध्यक्ष पद पर 06, महामंत्री पद पर 02 तथा पुस्तकालय मंत्री पर 02 प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिल किया।

कक्षा प्रतिनिधि चुनाव में सहभाग करते विद्यार्थी

छात्रसंघ चुनाव : योग्यता भाषण

29 अगस्त को छात्र संघ चुनाव हेतु योग्यता भाषण का आयोजन किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद के लिए राहुल गिरि, दीपक कुमार सिंह तथा आकाश चौबे, उपाध्यक्ष पद के लिए अनिल कुमार चौहान, प्रियंका दूबे, सैफ खाँ, आशुतोष चौहान, प्रशांत कुमार तथा रिंकी चौहान, महामंत्री पद के लिए राघवेन्द्र प्रताप सिंह तथा रवि प्रताप नागवंशी तथा पुस्तकालय मंत्री पद हेतु आशीष कुमार उपाध्याय तथा विवेक कुमार विश्वकर्मा ने अपने लिए मतदान की अपील की। कार्यक्रम संचालन चुनाव प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया।

छात्रसंघ योग्यता भाषण के अवसर पर प्रत्याशीगण

हिन्दी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान देते प्रो. अनन्त मिश्र

29 अगस्त को हिन्दी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। इसमें मुख्य वक्ता प्रो. अनन्त मिश्र, पूर्व विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर ने ''हिन्दी साहित्य में पाठकों की समस्या'' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

छात्रसंघ चुनाव हेतु मतदान

छात्रसंघ चुनाव में विजयी प्रत्याशी एवं शिक्षक

30 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हेतु मतदान सम्पन्न हुआ। सभी संकायों से कुल 793 विद्यार्थियों ने मतदान किया। चुनाव में अध्यक्ष पद पर बी.ए. द्वितीय वर्ष के राहुल गिरी, उपाध्यक्ष पद पर एम.काम. प्रथम वर्ष की प्रियंका दूबे, महामंत्री पद पर बी.ए. तृतीय वर्ष के रविप्रताप नागवंशी तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर बी.ए. भाग दो के विवेक कुमार विश्वकर्मा विजयी रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी मतदाताओं एवं प्रत्याशियों को शुभकामना दी तथा विजयी प्रत्याशियों को चुनाव अधिकारी एवं छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्नद शर्मा ने प्रमाण पत्र प्रदान किया।

राजनीतिशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. अमित सिंह एवं अन्य

1 सितम्बर को राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वावधान में 'समकालीन सन्दर्भ में राज्य की बदलती भूमिका' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर मुख्य अतिथि डॉ. अमित कुमार सिंह, वाणिज्य कर अधिकारी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण कुमार तथा आभार ज्ञापन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

1 सितम्बर को श्रीरामचन्द्र मिशन एवं संयुक्त राष्ट्र जनसूचना केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में अखिल

भारतीय निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबन्ध का विषय ''ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञानता नहीं बल्कि ज्ञान का भ्रम है'' था। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के बी.एस-सी. भाग तीन की छात्रा दृष्टि जायसवाल ने राज्य स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया। साथ ही साथ महाविद्यालय के बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों सुशील कुमार सिंह, सचिन श्रीवास्तव एवं कु. पूजा को भी पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज का पुण्यतिथि समारोह- उद्घाटन कार्यक्रम

4 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की पैतालीसवीं एवं राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की तीसरी पुण्यतिथि सप्ताह श्रद्धांजलि समारोह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुनील अम्बेकर द्वारा ''भारत के सनातन संस्कृति में राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्रो. रामअचल सिंह ने भी विचार प्रस्तुत किया। स्वागत संबोधन प्रो. यू.पी. सिंह द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में श्री सुनील अम्बेकर का स्वागत करते पूज्य महाराज जी

शिक्षक दिवस कार्यक्रम एवं बी.एड. विभाग में नवागंतुक विद्यार्थी - स्वागत समारोह

5 सितम्बर को सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड. विभाग द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में बी.एड. की छात्राध्यापिका सुशीला राय तथा छात्राध्यापक मनोज कुमार क्रमशः मिस फ्रेशर तथा मिस्टर फ्रेशर चुने गये।

शिक्षक दिवस के अवसर पर बी.एड. विभाग

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

8 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के

साक्षरता दिवस पर व्याख्यान देते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

तत्वावधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. यशवंत कुमार राव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं के साथ विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र भारती एवं शिक्षकगण

9 सितम्बर को मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में एन.डी.ए. खड़कवासला के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र भारती ने पूज्य महाराज जी द्वै के विराट व्यक्तित्व और उनके सामाजिक परिप्रेक्ष्य से सम्बन्धित विषय पर विचार प्रस्तुत किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डॉ. आरती सिंह तथा डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थी, कर्मचारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ और अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि समारोह - समापन कार्यक्रम

पुण्यतिथि समारोह में महाविद्यालय की पत्रिका विमर्श का विमोचन

10 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ के सात दिवसीय पुण्यतिथि समारोह का भव्य समापन गोरखनाथ मंदिर में हुआ जिसमें महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए। श्रद्धांजलि सभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक का आशीर्वचन एवं मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की पत्रिका 'विमर्श' का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया।

शतरंज प्रतियोगिता

11 सितम्बर को महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा विभाग के

तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री प्रकाश प्रियदर्शी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में आकाश चौबे एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष विजेता तथा सोनू बी.ए. प्रथम वर्ष उपविजेता रहे। बालिका वर्ग में राधिका एम.ए. प्रथम वर्ष विजेता तथा खुशबु कुमारी बी.काम. प्रथम वर्ष उपविजेता रहीं। खिलाड़ियों को पुरस्कृत प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

शतरंज प्रतियोगिता में विद्यार्थी

बी.एड. विभाग में शिल्प प्रदर्शनी

12 सितम्बर को महाविद्यालय में बी.एड. विभाग द्वारा शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उद्घाटन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। प्रदर्शनी में सम्मिलित विद्यार्थियों का क्राफ्ट मूल्यांकन डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में प्रथम स्थान बी.एड. प्रथम वर्ष की प्रतिभा सिंह, द्वितीय स्थान जया गौतम, संजु सेन, अराधना द्विवेदी तथा तृतीय स्थान नैना यादव, प्रिया वर्मा एवं सांत्वना पुरस्कार पिंकी चौहान तथा प्रियंवदा सिंह को मिला।

शिल्प प्रदर्शनी में मूल्यांकन करते निर्णायकगण

शिक्षक संघ चुनाव

12 सितम्बर को महाविद्यालय में शिक्षक संघ का चुनाव डॉ. शिवकुमार वर्नवाल के देखरेख में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर श्री सुभाष कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष पद पर डॉ. आरती सिंह, महामंत्री पद पर श्री विनय कुमार सिंह तथा कोषाध्यक्ष पद पर डॉ. अभिषेक सिंह चुने गये। शिक्षक संघ कार्यकारिणी के सदस्य के रूप में वाणिज्य संकाय से श्री नन्दन शर्मा तथा बी.एड. संकाय से डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह का निर्वाचन हुआ।

शिक्षक संघ चुनाव में विजयी पदाधिकारीगण

यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस

13 सितम्बर को महाविद्यालय में यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

का आयोजन प्रार्थना सभा में किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने स्वतंत्रता आन्दोलन में यतीन्द्रनाथ बोस के योगदान विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

हिन्दी दिवस, छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह

14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित साहित्यकार, समालोचक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य एवं उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह द्वारा किया गया। इसी कार्यक्रम में छात्रसंघ के निर्वाचित प्रतिनिधियों तथा कक्षा प्रतिनिधियों को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा शपथ दिलायी गयी।

हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त का सम्मान करते डॉ. वेदप्रकाश पाण्डेय एवं प्राचार्य-शिक्षक

शपथ ग्रहण करते छात्रसंघ के प्रतिनिधि

मोक्षगुडंम विश्वेश्वरैया जंयती

15 सितम्बर को मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जयंती (इंजीनियर्स डे) का आयोजन प्रार्थना सभा में किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में विद्यार्थी, कर्मचारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

16 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. यशवंत राव तथा वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने 'ओजोन संरक्षण' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेव योजना के सदस्यो सहित विद्यार्थी, कर्मचारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

विश्व ओजोन दिवस पर मंचस्थ शिक्षक

वनस्पति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान के अवसर पर विद्यार्थी

16 सितम्बर को वनस्पति विभाग में ''जैव विविधता एवं संरक्षण'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रभारी भूगोल विभाग ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान की प्रस्ताविकी वनस्पति विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन सुश्री आम्रपाली वर्मा द्वारा किया गया।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति तथा इतिहास विभाग में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान देते डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय

16 सितम्बर को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ गोरखपुर में भारतीय इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत एवं प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ''भारतीय इतिहास के पाठ्यक्रमों में विसंगतियाँ एवं समाधान'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय का व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास संकलन समिति गोरक्षप्रांत के अध्यक्ष प्रो. महेश कुमार शरण ने की। अतिथियों का स्वागत एवं आभार महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार राव ने किया। संगोष्ठी 3 समानान्तर तकनीकी सत्रों में सम्पन्न हुई। इन तीन समानान्तर सत्रों में क्रमशः प्रो. विपुला दूबे, डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय एवं प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। तीनों तकनीकी सत्रों में कुल मिलाकर 28 शोध पत्र पढ़े गए। समापन समारोह की अध्यक्षता प्रो. विपुला दुबे ने की। संगोष्ठी में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य, प्रो. विनोद सिंह, प्रो. निधि चतुर्वेदी, डॉ. सुधाकर लाल, प्रो. एस.के. दीक्षित, डॉ. मनोज तिवारी, डॉ. कन्हैया सिंह सहित अन्य महाविद्यालयों के 50 से अधिक प्राध्यापक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

कर्मचारी संघ चुनाव

18 सितम्बर को महाविद्यालय में कर्मचारी संघ का चुनाव डॉ. विजय कुमार चौधरी के देखरेख में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर श्री अमित कुमार एवं उपाध्यक्ष पद पर श्री शम्भू प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष पद

पर श्री झब्बर शर्मा तथा मंत्री पद पर श्री संतोष श्रीवास्तव निर्वाचित हुए।

कर्मचारी संघ के विजयी पदाधिकारीगण

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान

19 सितम्बर को प्रार्थना सभा के उपरान्त योगिराज बाबा गम्भीरनाथ की स्मृति में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए गया विश्वविद्यालय गया, बिहार के अवकाश प्राप्त आचार्य प्रो. महेश कुमार शरण ने बाबा गम्भीरनाथ जी के जीवन, उनके योग साधना एवं उनकी सिद्ध-योग शक्तियों के विषय में अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम में प्रो. महेश कुमार शरण

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

22 सितम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय ढाढ़ा, कुशीनगर के अंग्रेजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने ''रोड मैप फॉर स्टडी ऑफ लिटरेचर एट ग्रेजुएशन लेवल'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के छात्र दिव्यम श्रीवास्तव तथा आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान में डॉ. राजेश श्रीवास्तव

बी.एड. विभाग में योग कार्यशाला

22 एवं 23 सितम्बर को बी.एड. विभाग में दो दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। योग

योगाभ्यास करते बी.एड. विभाग के छात्र अध्यापक एवं छात्राध्यापिकाएं

कार्यशाला में भारतीय रेलवे के योग प्रशिक्षक डॉ. जयंतनाथ द्वारा विद्यार्थियों को योग एवं व्यायाम के विभिन्न पद्धतियों एवं आसनों का अभ्यास कराते हुए योग का व्यक्ति के जीवन में महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

प्राणिविज्ञान विभाग में विशेष व्याख्यान

23 सितम्बर को प्राणिविज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणिविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डी.के. सिंह ने 'जल संकट एवं संरक्षण' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राणिविज्ञान विभाग के प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह ने एवं आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

व्याख्यान देते प्रो. डी.के. सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

23 सितम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना के लक्ष्य एवं उद्देश्य विषय पर विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रसायन विज्ञान के प्रभारी डॉ. शिव कुमार वर्नवाल ने भी विचार प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह

प्राचीन इतिहास विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

25 सितम्बर को प्राचीन इतिहास विभाग में 'धार्मिक वनस्पतियों का औषधीय महत्व' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यान देते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती कार्यक्रम

25 सितम्बर को महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्वर्ण जंयती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वनस्पति विज्ञान के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान देवेन्द्र पाण्डेय बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान सुजीत कुमार बी.एस-सी. प्रथम वर्ष व तृतीय स्थान मनीषा श्रीवास्तव बी.कॉम. तृतीय वर्ष तथा सांत्वना पुरस्कार सुधासागर, माधुरी उपाध्याय बी.एस-सी. प्रथम वर्ष को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में कुल 45 प्रतिभागियों ने सहभागिता किया।

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान देते प्रो. आर.पी. सिंह

26 सितम्बर को वाणिज्य विभाग में ''नेतृत्व क्षमता'' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री श्वेता चौबे तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के शिक्षक एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहीं।

राजा राममोहन राय पुण्य तिथि

राजाराम मोहन राय जयन्ती कार्यक्रम

27 सितम्बर को राजा राममोहन राय की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने राजा राममोहन राय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए समाज सुधार में उनके योगदान एवं राष्ट्र के प्रति उनकी श्रद्धा पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. सुभाष गुप्ता, श्रीमती कविता मंध्यान सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

27 सितम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'ड्रग्स डेवलपमेंट एण्ड डिलीवरी' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आलोक कुमार श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन डॉ. शिव कुमार वर्नवाल ने किया।

मंचासीन डॉ. आलोक कुमार श्रीवास्तव (मध्य में)

गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती

2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर ध्वजारोहण के उपरान्त राष्ट्रगान एवं वन्देमातरम् कार्यक्रम किया गया। इसके पश्चात् वार्षिक योजना बैठक में निर्धारित कार्यक्रमों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी।

महाविद्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

3 अक्टूबर को महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग में 'स्ट्रैटेजिक एन्वायरमेंटल प्लानिंग' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सेन्ट एण्ड्रयूज पी.जी. कालेज के वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. कृष्ण देव पाण्डेय उपस्थित थे।

व्याख्यान देते डॉ. कृष्ण देव पाण्डेय

ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता

4 अक्टूबर को ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति एक दिवसीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग में कुल 22 तथा बालिका वर्ग में 8 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बालक

प्रतियोगिता में पुरस्कृत प्रतिभागीगण

वर्ग में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के विशाल सिंह तथा अभिषेक मद्धेशिया तथा बालिका वर्ग में शिवांगी पाण्डेय विजयी रहीं।

वाल्मिकी जयन्ती पर गाँवों में जन-जागरण अभियान

गाँव में बुजुर्ग महिला को स्वास्थ्य शिविर तक ले जातीं महाविद्यालय की छात्राएं

5 अक्टूबर को महाविद्यालय के 50 शिक्षक अपने 500 विद्यार्थियों के साथ अपने-अपने विभाग द्वारा अभिगृहित उन्नतीस गाँवों में महर्षि वाल्मिकी जयन्ती के अवसर पर सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए साक्षरता, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य को केन्द्र में रखकर जन-जागरण महाभियान का कार्य सम्पन्न हुआ है। कहीं पर पिछड़ी दलित बस्तियों में स्वच्छता का अभियान चला, कहीं छोटे बच्चों को विद्यालय जाने हेतु प्रेरित किया गया, कहीं पर खुले में शौच न जाने के महत्व को बताते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया गया, तो कहीं पर साफ-सफाई स्वस्थ्य जीवन के लिए कितना महत्वपूर्ण है, पर प्रकाश डाला गया। इस क्रम में मंझरिया गाँव जो राष्ट्रीय सेवा योजना एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा अभिगृहित किया गया है उसे इस वर्ष मॉडल गाँव के रूप में विकसित करने की योजना के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं तथा अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों के साथ साक्षरता, स्वच्छता और स्वास्थ्य हेतु जागरूकता अभियान के अर्न्तगत प्रत्येक घर का सर्वेक्षण एवं जन-जागरण के साथ गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, नि:शुल्क दवा वितरण का कार्य विशेष रहा। इस क्रम में महाविद्यालय के अन्य सभी विभाग अपने-अपने अभिगृहित क्षेत्र यथा भूगोल विभाग सांसद आदर्श गाँव जंगल औराही, बी.एड. विभाग-हसनगंज, हिन्दी विभाग-छोटी रेतवहिया, प्राचीन इतिहास विभाग-हैदरगंज, अर्थशास्त्र विभाग-महुआचाफी, समाजशास्त्र विभाग-जंगल तिकोनिया, मनोविज्ञान विभाग-छोटी जमुनहिया, राजनीतिशास्त्र विभाग-बसंतपुर, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग-मीरगंज, कम्प्यूटर सांइस विभाग-बड़ी जमुनहिया, गणित विभाग-धोधड़ा, प्राणि विज्ञान विभाग-लक्ष्मीपुर, रसायनशास्त्र विभाग-रामपुर, भौतिक विज्ञान विभाग-भगवानपुर, वनस्पति विज्ञान विभाग-सेखवनिया, सांख्यिकी विभाग-केवटहिया, इलेक्ट्रानिक्स विभाग-धूसिया, वाणिज्य विभाग-तिनकोनिया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मंझरिया गाँव में महर्षि वाल्मिकी जयन्ती पर गाँव के गरीब पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों की सेवा एवं उन्हें जन-जागरण कर महर्षि वाल्मिकी को श्रद्धांजलि दी गई।

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

6 अक्टूबर को वाणिज्य विभाग में 'इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का

आयोजन हुआ। कार्यक्रम में डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता एवं श्री वागीशराज पाण्डेय का विशिष्ट व्याख्यान हुआ, संचालन श्वेता चौबे तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ल ने किया।

वाणिज्य विभाग में व्याख्यान कार्यक्रम

वायु सेना स्थापना दिवस पर व्याख्यान

7 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारतीय वायु सेना स्थापना दिवस के पूर्व दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में 'भारतीय वायु सेना का देश की सुरक्षा और आपदाकाल में योगदान' विषय पर व्याख्यान भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने की तथा संचालन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

व्याख्यान देते डॉ. विजय कुमार चौधरी

वनस्पति विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

7 अक्टूबर को वनस्पति विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में वनस्पति विभाग के तीनों वर्षों के 24 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान विवेक कुशवाहा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष एवं देवेन्द्र पाण्डेय बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष को प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान श्वेता मिश्रा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष एवं अखिलेश सिंह बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष को तथा तृतीय स्थान समीर कुमार पाण्डेय एवं कुमारी शालू बी.एस-सी. तृतीय वर्ष एवं श्रेया शुक्ला बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष को प्राप्त हुआ।

शोध व्याख्यान में पी.पी.टी. पर अपना विषय प्रस्तुत करता विद्यार्थी

ग्राम सामुदायिक सेवा कार्य

8 अक्टूबर को इतिहास विभाग द्वारा अपने विद्यार्थियों के साथ अभिग्रहीत ग्राम ककरहियाँ में जनजागरण अभियान के अंतर्गत महिला साक्षरता एवं छोटे बच्चों को विद्यालय भेजने हेतु अभिभावकों को प्रेरित किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान में पी.पी.टी. पर अपना पेपर प्रस्तुत करती छात्रा

9-10 अक्टूबर को रसायन विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर पर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एम.एस-सी. प्रथम वर्ष की छात्रा नेहा गुप्ता तथा पवन श्रीवास्तव को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, एम.एस-सी. प्रथम वर्ष की छात्रा जूही पाण्डेय तथा एम.एस-सी. अंतिम वर्ष के अभिनव त्रिपाठी को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान एवं एम. एस-सी. अंतिम वर्ष के आकाश चौबे को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर के 33 विद्यार्थियों ने सहभागिता किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के प्रवक्ता डॉ. राम सहाय ने किया।

अंग्रेजी विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थी

10 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग में 'स्टार्ट अप स्टैण्ड अप इण्डिया' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 69 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में दिव्यम श्रीवास्तव बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रथम स्थान, सौरभ ओझा बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान, अमृत कुमार बी.ए. प्रथम वर्ष एवं अंजनी बी.ए. तृतीय वर्ष ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समाजशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान देते डॉ. कृष्ण कुमार

11 अक्टूबर को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'समाज और संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव उत्तर प्रदेश के संदर्भ में' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार ने शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने किया।

राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि

12 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने राम मनोहर लोहिया

जी की पुण्यतिथि के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि के अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थीगण

बी.एड. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

14 अक्टूबर को बी.एड. विभाग द्वारा 'भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बी.एड. विभाग के प्रोफेसर डॉ. एन. पी. भोक्ता द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी, आभार ज्ञापन बी.एड. विभाग की प्रवक्ता डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा संचालन बी.एड. विभाग की प्रवक्ता सुश्री श्वेता चौबे ने किया गया।

विशिष्ट व्याख्यान में प्रो. एन.पी. पाण्डेय

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती

14 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयन्ती की पूर्व दिवस के अवसर पर बी.एड. विभाग की प्रवक्ता डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव तथा संचालन प्राचीन के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

प्रार्थना सभा में व्याख्यान देती श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव

अर्थशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

16 अक्टूबर को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'भारतीय अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति का महत्व' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गायत्री सिंह चौहान

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

बी.ए. भाग दो ने किया तथा आभार ज्ञापन व्याख्यान संयोजक एवं अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर सिंह द्वारा किया गया।

बी.एड. विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी

24 अक्टूबर को बी.एड. विभाग द्वारा शुभोत्सव 2017 कार्यक्रम के अन्तर्गत कलात्मक एवं रचनात्मक शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में मॉडल, हस्तकला, चार्ट द्वारा समसामायिक विषय पर ध्यान आकृष्ट किया गया। प्रदर्शनी में 65 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। शैक्षिक प्रदर्शनी का उद्घाटन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी एवं राजनीति विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

शैक्षिक प्रदर्शनी में अवलोकन करते प्राचार्य

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस

24 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने 'वर्तमान परिवेश में संयुक्त राष्ट्र की उपदेयता' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान कार्यक्रम में मंचस्थ शिक्षकगण

यतीन्द्रनाथ बोस जयन्ती

27 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में यतीन्द्रनाथ बोस की जयन्ती के अवसर पर हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में यतीन्द्रनाथ बोस का योगदान विषय पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

व्याख्यान देती डॉ. आरती सिंह एवं अन्य

राजनीतिशास्त्र विभाग में कार्यशाला

28 अक्टूबर को राजनीतिशास्त्र विभाग में 'संसदीय प्रक्रिया और लोकतांत्रिक प्रणाली' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में संसदीय प्रक्रिया विशेष रूप से संसद की कार्यवाही के

विभिन्न शब्दावलियों जैसे - प्रश्न काल, शून्य काल, स्थगन प्रस्ताव, वाकआउट, नियम 193, अविश्वास प्रस्ताव इत्यादि पर छात्रों ने अपना विचार रखा तथा संसदीय प्रक्रिया के अन्तर्गत आने वाले इन विषयों पर विषय विशेषज्ञ के रूप में विभाग के शिक्षक डॉ. कृष्ण कुमार ने अपने विचार रखे।

कार्यशाला में विचार व्यक्त करते डॉ. कृष्ण कुमार

भौतिक विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

28 अक्टूबर को भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आँचल कश्यप बी.एस-सी. भाग एक को प्रथम स्थान, अनामिका सिंह प्रथम बी.एस-सी. भाग एक को द्वितीय स्थान तथा अनामिका सिंह द्वितीय बी.एस-सी. भाग एक को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में कुल 20 छात्र/छात्राएं सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता का आयोजन भौतिक विज्ञान प्रभारी सुश्री मनीता सिंह ने किया।

पोस्टर बनाते विद्यार्थी

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा

29 अक्टूबर को अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय को परीक्षा केन्द्र बनाया गया। परीक्षा में कुल 1602 परीक्षार्थी की सम्पूर्ण व्यवस्था के साथ परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुयी। इस परीक्षा में बी.एड. विभाग के छात्राध्यापक-छात्राध्यापिकाएं तथा पुरातन छात्रों के साथ महाविद्यालय के शिक्षकों ने सहयोग किया। परीक्षा का आयोजन महाविद्यालय द्वारा नि:शुल्क किया जाता है।

छात्रवृत्ति परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थी

भूगोल विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

30 अक्टूबर को भूगोल विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान 'ग्रीन हाउस प्रभाव' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के आचार्य प्रो. शिवाकान्त सिंह द्वारा प्रभावपूर्ण

व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही ने किया।

व्याख्यान देते प्रो. शिवाकान्त सिंह

आचार्य नरेन्द्र देव एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती तथा छात्र संघ की साधारण सभा

31 अक्टूबर को आचार्य नरेन्द्र देव एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती व कार्तिक एकादशी के अवसर पर महाविद्यालय में छात्र संघ की साधारण सभा का आरम्भ दोनों महापुरुषों की श्रद्धांजलि के साथ हुआ। साधारण सभा में 22 छात्र-छात्राओं ने कुल 26 बिन्दुओं पर विमर्श किया जिसमें पौधों के नामकरण, प्रोजेक्टर युक्त प्रायोगिक कक्षाएँ, छात्राओं के लिए सेल्फ डिफेन्स प्रशिक्षण की व्यवस्था, सिविल सर्विसेज कक्षाओं के संचालन, डिजिटल घण्टी आदि विषयों से सम्बन्धित समस्याओं को छात्रों द्वारा उठाया गया। अन्त में प्राचार्य द्वारा कुछ बिन्दुओं पर तत्काल समाधान दिया गया तथा शेष विषयों पर निर्धारित समय में यथोचित समाधान करने की बात कही गयी।

छात्रसंघ साधारण सभा में अपनी बात रखती छात्रा

निबन्ध प्रतियोगिता

31 अक्टूबर को राजनीतिशास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय एकता और सरदार बल्लभभाई पटेल' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

निबन्ध प्रतियोगिता में विद्यार्थी

सतर्कता जागरूकता: निबन्ध एवं व्याख्यान

3 नवम्बर को यूनियन बैंक एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'सतर्कता जागरूकता अभियान' के अन्तर्गत व्याख्यान एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय- 'भ्रष्टाचार का भारतीय समाज पर पड़ता प्रभाव' था। इस प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान दृष्टि

जायसवाल बी.एस-सी. तृतीय वर्ष, आशीष उपाध्याय बी.कॉम. तृतीय वर्ष, नितिन तिवारी बी.काम. तृतीय वर्ष एवं सांत्वना पुरस्कार रवि प्रताप नागवंशी बी.ए. तृतीय वर्ष तथा कृष्ण कुमार सिंह बी.एस-सी. प्रथम वर्ष को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर यूनियन बैंक के मुख्य प्रबन्धक श्री पी.के. राय, विपणन प्रबन्धक श्री पुनीत राय एवं श्री महेन्द्र पाल सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की एवं संयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता एवं बी.एड. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती विभा सिंह ने किया।

सतर्कता जागरूकता अभियान कार्यक्रम

पुलिस की पाठशाला

7 नवम्बर को महाविद्यालय में उजाला फाउंडेशन की पहल पर पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। गोरखपुर पुलिस जोन के आईजी श्री मोहित अग्रवाल ने कानून के सम्बन्ध में कई अहम जानकारियाँ प्रदान की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा पुलिस की कार्यप्रणाली तथा समाज की समस्याओं से सम्बन्धित अनेक जिज्ञासा को भी गया।

पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम में आई.जी. श्री मोहित अग्रवाल

गणित विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

10 नवम्बर को महाविद्यालय में गणित विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ए.पी. श्रीवास्तव, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर उपस्थित थे। उन्होंने गणित के मूलभूत सूत्रों को समझाते हुए, सेट थ्योरी ऑफ कैल्कुलस में डिफरेन्शियल एण्ड इन्टीग्रल कैलकुलस विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने तथा आभार गणित विभाग के शिक्षक श्री प्रतीक दास ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. ए.पी. श्रीवास्तव

भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय की पुण्यतिथि एवं योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

योग प्रशिक्षण में प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी

11 नवम्बर को भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय के पुण्यतिथि की पूर्व दिवस पर प्रार्थना सभा मे आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अपने उद्‌बोधन में पं. मदन मोहन मालवीय के जीवन से सम्बन्धित उत्प्रेरक कृतित्व पर उद्‌बोधन दिया। इस अवसर पर प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शनिवार को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा के अन्तर्गत योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारम्भ योगाभ्यास कराकर किया गया।

सांख्यिकी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान देते डॉ. सत्यप्रकाश सिंह

11 नवम्बर को सांख्यिकी विभाग के तत्वावधान में के.आई.पी.एम. कालेज, गीडा, गोरखपुर के प्राध्यापक डॉ. सत्य प्रकाश सिंह ने बेसिक कॉन्सेप्ट एण्ड प्रोबेबिलिटी थ्योरी विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सांख्यिकी एवं गणित विभाग के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

रसायन विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में अपना पेपर प्रस्तुत करता छात्र

11 नवम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का उद्‌घाटन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। प्रतियोगिता में रसायन विज्ञान के तीनों वर्षों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान साक्षी सिंह बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान वैभव गुप्ता बी.एस-सी. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान गौरव सिंह बी.एस-सी. तृतीय वर्ष ने प्राप्त किये। प्रतियोगिता में 28 विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 11 नवम्बर को प्रत्येक शनिवार को आयोजित होने वाला

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दोनों इकाइयों गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के 200 स्वयंसेवकों तथा स्वयंसेविकाओं ने 22 टोलियों में विभक्त होकर श्रमदान किया। इन सभी टोलियों का नेतृत्व प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित 32 शिक्षकों ने टोली प्रमुख के रूप में श्रमदान किया।

स्वैच्छिक श्रमदान में सहभाग करते विद्यार्थी

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

13 नवम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 'रोमान्टीसिज्म' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान में प्रो. अजय शुक्ला, अंग्रेजी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा डॉ. निलिमा दूबे, प्रवक्ता अंग्रेजी विभाग, श्री भगवान दत्त महिला डिग्री कॉलेज, चौरी-चौरा, गोरखपुर ने विभाग के विद्यार्थियों को संबोधित किया। व्याख्यान का संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष के विवेक विश्वकर्मा तथा आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान् ने किया।

व्याख्यान देते प्रो. अजय कुमार शुक्ल

हिन्दी विभाग में कार्यशाला

14 नवम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी राजभाषा एवं राष्ट्र भाषा की विवादस्पद स्थिति' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी द्वारा उद्‌बोधन दिया गया। कार्यशाला का संयोजन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

व्याख्यान देते डॉ. आद्या प्रसाद तिवारी

पंडित जवाहर लाल नेहरू जयंती

14 नवम्बर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में

प्रार्थना सभा में पं. नेहरू जयन्ती पर कार्यक्रम

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर बी.एड. विभाग की प्रवक्ता सुश्री श्वेता चौबे ने उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

समाजशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

14 नवम्बर को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'वैश्विकता' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। संचालन एवं आभार ज्ञापन समाजशास्त्र के प्रभारी श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने किया।

व्याख्यान देते प्रो. मानवेन्द्र प्रताप सिंह

आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि

15 नवम्बर को आचार्य विनोबा भावे की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह द्वारा उद्‌बोधन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रार्थना सभा में आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि

महाविद्यालय का संस्थापक सप्ताह समारोह

बाबा गम्भीरनाथ-स्मृति वॉलीबाल प्रतियोगिता

15 नवम्बर को महाविद्यालय के संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत क्रीड़ा विभाग द्वारा योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कला संकाय की टीम ने छात्र संघ की टीम को पराजित कर विजेता का स्थान तथा बालिका वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई टीम ने रानी दुर्गावती टीम को पराजित कर विजेता का स्थान प्राप्त किया।

वॉलीबाल प्रतियोगिता में सहभाग करती टीमें

उदीयमान कवि सम्मेलन प्रतियोगिता

15 नवम्बर को संस्थापक समारोह के तत्वावधान में उदीयमान कवि सम्मेलन प्रतियोगिता का

आयोजन किया गया जिसमें कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर दुर्गेश साहनी बी.ए. द्वितीय वर्ष, आराधना गौड़ बी.ए. प्रथम वर्ष, सच्चिदानन्द यादव बी. एड. प्रथम वर्ष रहे तथा सान्त्वना पुरस्कार के अन्तर्गत प्रिया वर्मा बी.एड. प्रथम वर्ष, माधुरी उपाध्याय बी. एस-सी. प्रथम वर्ष, दिव्या सिंह बी.एड. प्रथम वर्ष को प्रदान किया गया।

कवि सम्मेलन कार्यक्रम में उपस्थित श्रोतागण

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

16 नवम्बर को संस्थापक समारोह के अन्तर्गत हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 42 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर आशीष उपाध्याय बी.काम. तृतीय वर्ष, अनिल कुमार यादव बी.ए. प्रथम वर्ष, आदित्य कुमार गुप्त बी.एड. द्वितीय वर्ष तथा सांत्वना पुरस्कार अंकित तिवारी बी.काम. द्वितीय वर्ष एवं ऐश्वर्या पाण्डेय बी.एस-सी. प्रथम वर्ष को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

निबन्ध प्रतियोगिता में सम्मिलित छात्र-छात्राएं

उदा देवी स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता

16 नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत विरांगना ऊदा देवी स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में कुल 5 टीमों ने तथा बालिका वर्ग में 3 टीमों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई टीम ने रानी दुर्गावती टीम को हराकर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। बालक वर्ग में योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम टीम ने छात्र संघ टीम को हराकर विजेता का स्थान प्राप्त किया।

कबड्डी प्रतियोगिता में छात्राएं

प्रश्नमंच प्रतियोगिता

17 नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें चार-चार विद्यार्थियों की कुल 7 टीमों ने प्रतिभाग किया। मनीष कुमार शर्मा बी.एस-सी. द्वितीय

वर्ष, विशाल सिंह बी.एस-सी. तृतीय वर्ष, आदित्य यादव बी.एस-सी. प्रथम वर्ष तथा सुबोध यादव बी.ए. तृतीय वर्ष की टीम ने प्रथम स्थान जबकि नम्रता मिश्रा, अर्चना सिंह, नीतू गुप्ता तथा सुशीला राय, सभी बी. एड. प्रथम वर्ष, की टीम ने द्वितीय स्थान और विवेक कुमार कुशवाहा, सत्यप्रकाश पाठक, संदीप तिवारी एवं कृष्ण कुमार सिंह, सभी बी.एस-सी. प्रथम वर्ष, की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में शिक्षक एवं विद्यार्थी

लाला लाजपत राय बलिदान दिवस

17 नवम्बर को महाविद्यालय में लाला लाजपत राय बलिदान दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में आयोजित व्याख्यान में बी.एड. विभाग के प्रवक्ता श्री नवनीत सिंह ने उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लाला लाजपतराय बलिदान दिवस कार्यक्रम में मंचस्थ शिक्षकगण

वाणिज्य संकाय में कार्यशाला

17 नवम्बर वाणिज्य संकाय में एक दिवसीय कार्यशाला 'सहजयोग के द्वारा व्यक्तित्व विकास' विषय पर आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में युवा शक्ति के कवार्डिनेटर श्री अवनीश कुमार पाल तथा गोरखपुर के समन्वयक श्री उपेन्द्र सिंह का व्याख्यान हुआ।

व्याख्यान देते श्री अवनीश कुमार पाल

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

18 नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें कुल 96 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान अमन कुमार बी.एड. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान अर्चना सिंह बी.एड. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के प्रतिभागी

राघवेन्द्र कुमार यादव बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन श्री अभिषेक वर्मा तथा डॉ. कृष्ण कुमार ने किया।

रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती एवं योगाभ्यास प्रशिक्षण

18 नवम्बर को रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना सभा में भारतीय स्वतंत्रता समर 1857 में रानी लक्ष्मीबाई के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह ने योगाभ्यास भी कराया।

साप्ताहिक योग प्रशिक्षण में शिक्षक-विद्यार्थी

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता

20 नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता में कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में आशुतोष चौहान बी.एस-सी. तृतीय वर्ष प्रथम स्थान, जय कृष्ण वर्मा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान व सन्नी कुमार चौहान बी.एस-सी. तथा आशीष मद्धेशिया बी. एस-सी. प्रथम वर्ष ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. संजय कुमार तिवारी एवं श्री प्रदीप कुमार वर्मा द्वारा किया।

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता में विद्यार्थी

आशुभाषण प्रतियोगिता

20 नवम्बर संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 10 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कृष्ण मोहन बी.एड. द्वितीय वर्ष प्रथम स्थान, सोमनाथ कन्नौजिया बी.एड. द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान, प्रिया वर्मा बी.एड. प्रथम वर्ष तृतीय स्थान तथा सांत्वना पुरस्कार संदीप तिवारी बी.एस-सी. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. राम सहाय तथा श्रीमती विभा सिंह ने किया।

आशुभाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में अपना विचार रखता छात्र एवं निर्णायकगण

21 नवम्बर को 'ग्लोबल वार्मिंग इज अ ग्रेव मिनेक फॉर द एग्जिक्टेंस ऑफ सिविलाइजेशन' विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत किया गया जिसमें कुल 26 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें संदीप तिवारी बी.एस-सी. प्रथम वर्ष प्रथम स्थान, विवेक कुमार कुशवाहा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान, शिवांगी राय बी.ए. प्रथम वर्ष तृतीय स्थान एवं ममता प्रजापति बी.एस-सी. प्रथम वर्ष ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता का संयोजन श्रीमती कविता मंध्यान् एवं डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

राजनीतिशास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में अपना विचार रखती छात्रा

21 नवम्बर को महाविद्यालय में राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विशाल कुमार दूबे बी.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से रविप्रताप नागवंशी बी.ए. तृतीय वर्ष एवं राहुल गिरी बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से प्रियंका गुप्ता बी. ए. तृतीय वर्ष, वन्दना बी.ए. तृतीय वर्ष एवं विवेक विश्वकर्मा बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया।

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थी एवं निर्णायकगण

23 नवम्बर को संस्कृत भाषण 'एकविंशति शताब्दी भारतस्य शताब्दी विद्यते' विषय पर प्रतियोगिता संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत आयोजित की गयी। संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में नितीश कुमार पाण्डेय बी.एड. प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान, सुशील चन्द्र ओझा बी.काम. भाग एक ने द्वितीय स्थान व आशीष उपाध्याय बी.काम. भाग तीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड. प्रवक्ता सुश्री श्वेता चौबे ने किया।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

23 नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत हिन्दी भाषण 'भारत में तीव्र आर्थिक प्रगति का आधाार बनेगा जीएसटी' विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में संदीप तिवारी बी.एस-सी. प्रथम वर्ष प्रथम स्थान, आशीष उपाध्याय बी.काम. द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान तथा ऋषिकेश बी. एड. प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान मिला। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड. प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थी एवं निर्णायकगण

गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस

23 नवम्बर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने उद्बोधन में गुरु तेग बहादुर के बलिदान की गौरवगाथा को विद्यार्थियों के मध्य प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित किया।

व्याख्यान देती श्रीमती शिप्रा सिंह एवं मंचस्थ शिक्षक

योग एवं व्यायाम कार्यक्रम

25 नवम्बर दिन शनिवार को महाविद्यालय में साप्ताहिक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रार्थना सभा में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा प्राणायाम के विभिन्न प्रकारों का अभ्यास कराया गया।

योगाभ्यास करते प्राचार्य

प्राणि विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

27 नवम्बर को महाविद्यालय में प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 21 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिनमें देवेन्द्र पाण्डेय बी.एस-सी. भाग दो ने प्रथम स्थान, विवेक कुमार कुशवाहा बी.एस-सी.

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में पी.पी.टी. पर अपना पेपर प्रस्तुत करता छात्र

भाग एक ने द्वितीय स्थान तथा श्रेया शुक्ला बी.एस-सी. भाग दो ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह एवं श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

भौतिकी विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

28 नवम्बर को भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभम बी. एस-सी. द्वितीय वर्ष, आकृति सिंह बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान तथा आशीष यादव बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष एवं आँचल कश्यप बी.एस-सी. प्रथम वर्ष ने संयुक्त से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

पी.पी.टी. पर अपना पेपर प्रस्तुत करती छात्रा एवं प्रतिभागीगण

विश्व एड्स दिवस

01 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजनाा के तत्वावधान में 'विश्व एड्स दिवस' पर व्याख्यान तथा जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। एड्स से बचाव से सम्बन्धित जनजागरण रैली महाविद्यालय से अभिगृहित गाँव मझरियाँ में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया।

रासेयो के कार्यक्रम में शिक्षकगण

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती

3 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जयन्ती के अवसर पर प्राचीन इतिहास के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा विचार प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती कार्यक्रम मे मंचस्थ शिक्षकगण

महाराणा प्रताप शिक्षण परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह 4 से 10 दिसम्बर

जनजागरण रैली में विद्यार्थी

4 से 10 दिसम्बर को प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन मे महाविद्यालय ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबन्धक एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र रावत जी की उपस्थिति मूल्यवान थी। 4 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक साप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका से महाविद्यालय ने पथ संचलन में उत्कृष्ठ प्रदर्शन रहा। इस वर्ष विद्यार्थियों द्वारा वन्दे मातरम्, उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा, तीन तलाक, उत्तर प्रदेश के आदर्श, पर्यावरण संरक्षण, उत्तर प्रदेश के बढ़ते कदम, भारतीय सशस्त्र सेनाएं से सम्बन्धित ज्वलन्त मुद्दों पर मनमोहक झांकियों का प्रदर्शन किया।

कार्यशाला में अपना विचार रखती डॉ. निलिमा दूबे

अंग्रेजी विभाग में कार्यशाला

05 एवं 06 दिसम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा अव्लाएड लैंग्वेज विषयक 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुल 68 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि

प्रार्थना सभा में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह एवं मंचस्थ शिक्षकगण

6 दिसम्बर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में डॉ. भीमराव अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह का उद्बोधन हुआ। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संस्थापक सप्ताह समापन समारोह

10 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक समारोह के अन्तर्गत पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में पिछली कक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले दो छात्र/छात्राओं को

संस्थापक समारोह के समापन अवसर पर महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'श्री गोरक्षपीठ : योग और शिक्षा' का विमोचन

पुरस्कार स्वरूप छात्रवृत्ति दी जाती है जिसमें इस वर्ष - विवेक जायसवाल बी.एस-सी. भाग-एक, अर्चना यादव बी.एस-सी. भाग-एक, मन्दीप गुप्ता बी.एस-सी. भाग-एक, कार्तिक भार्गव बी.एस-सी. भाग-एक, साक्षी सिंह बी.एस-सी. भाग-दो, श्रेया शुक्ला बी. एस-सी. भाग-दो, दृष्टि जायसवाल बी. एस-सी. भाग-तीन, सुनिता निषाद बी.एस-सी. भाग-तीन, अनुपम कुमार बी.ए. भाग-एक, जूली मौर्या बी. ए. भाग-एक, रिंकी बी.ए. भाग-दो, शकीना बी.ए. भाग-दो, श्वेता सिंह बी.ए. भाग-तीन, रवि प्रताप नागवंशी बी.ए. भाग-तीन, नेहा शर्मा बी.काम. भाग-एक, राजश्री चौहान बी.काम. भाग-एक, योग्यता कुमारी बी.काम. भाग-दो, नितिन तिवारी बी.काम. भाग-तीन, प्रियंका चौहान एम.एस-सी. प्रथम वर्ष, पवन कुमार श्रीवास्तव एम.एस-सी. प्रथम वर्ष, अभिनव त्रिपाठी एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष, पूजा त्रिपाठी एम. एस-सी. अन्तिम वर्ष, अनुपम चौधरी एम.ए. अन्तिम वर्ष, निखिल कुमार एम.ए. प्रथम वर्ष (प्राचीन इतिहास), पूजा कुमारी एम.ए. प्रथम वर्ष (प्राचीन इतिहास), प्रियंका चौहान एम.एस-सी. प्रथम वर्ष, मोनिका सिंह एम.काम. अन्तिम वर्ष, पुष्प राज सिंह एम.काम. अन्तिम वर्ष, अरुण कुमार बी.एड. अन्तिम वर्ष, अमन कुमार बी.एड. प्रथम वर्ष, नगमा खातून बी.एड. अन्तिम वर्ष तथा अर्चना सिंह बी.एड. अन्तिम वर्ष। इसके साथ ही ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक-राहुल गिरी बी.ए. भाग दो, स्वर्गीय कृष्णा कुमारी चौधरी स्मृति पुरस्कार-अभिनव त्रिपाठी एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष तथा स्वर्गीय राम लखन चौधरी स्मृति पुरस्कार-दृष्टि जायसवाल बी.एस-सी. अन्तिम वर्ष को प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'गोरक्षपीठ : योग एवं शिक्षा' का भी विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

14 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर रसायन विज्ञान के प्रवक्ता डॉ. राम सहाय द्वारा ऊर्जा संरक्षण की विभिन्न उपायों पर व्याख्यान के माध्यम से चर्चा की गयी। इस अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रार्थना सभा में ऊर्जा संरक्षण पर विचार प्रस्तुत करते डॉ. राम सहाय

प्राणि विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

15 दिसम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में बी.एस-सी.

विज्ञान प्रदर्शनी में माडल का अवलोकन करते निर्णायक

भाग एक, दो व तीन के कुल 86 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में देवेन्द्र पाण्डेय बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, सुधा सागर एवं रत्नेश नाथ योगी बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा श्रेया शुक्ला, अंजली सिंह बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष व पूजा चौरसिया बी.एस-सी. प्रथम वर्ष ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रदर्शनी का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह एवं प्राणि विज्ञान प्रभारी डॉ. रघुवीर नारायण सिंह द्वारा किया गया।

रक्षा अध्ययन में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित विभाग के विद्यार्थी

16 दिसम्बर को रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार ने भारतीय सेना की शक्ति और उसके योगदान विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह एवं आभार ज्ञापन प्रवक्ता डॉ. रमाकान्त दूबे द्वारा किया गया।

बी.एड. विभाग में कार्यशाला

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. राजशरण शाही

16 दिसम्बर को बी.एड. विभाग द्वारा 'सूक्ष्म शिक्षण एवं पाठ्य योजना' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के बी.एड. विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. राजशरण शाही द्वारा 'सूक्ष्म शिक्षण एवं पाठ्य योजना' पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. के प्रवक्ता श्री नवनीत कुमार सिंह एवं आभार ज्ञापन बी.एड. प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा दिया गया। इस अवसर पर बी.एड. के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस

16 दिसम्बर को राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी बलिदान दिवस के पूर्व दिवस पर प्रार्थना सभा में प्राणि विज्ञान

विभाग के प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह द्वारा उद्‌बोधन दिया गया तथा महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर साप्ताहिक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम

वनस्पति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

16 दिसम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. आर. पी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, भरवहिया, गोरखपुर द्वारा 'जैविक कृषि' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए जैविक कृषि की पद्धति एवं उसकी उपयोगिता से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव एवं आभार ज्ञापन सुश्री आम्रपाली वर्मा ने किया।

व्याख्यान देते डॉ. आर.पी. सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना : एक दिवसीय शिविर

17 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो इकाइयों गुरु श्री गोरखनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का प्रथम एक दिवसीय शिविर महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता से प्रारम्भ हुआ। दोनो इकाइयों के स्वयंसेवकों तथा स्वयंसेविकाओं को 20 टोलियों में विभाजित करके स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। महाविद्यालय के मुख्य भवन के सामने सड़क के दोनों तरफ, लान, बरामदा, शौचालय, क्रीड़ागन आदि की सफाई की गयी। इसके उपरान्त इन्सेफेलाइटिस उन्मूलन के लिए जनजागरण रैली जो महाविद्यालय से चलकर ग्राम तिनकोनिया नं. 2 में घर-घर जाकर उन्हें जागरूक किया गया। अमर उजाला फाउंडेशन के सहयोग से इन्सेफ्लाइटिस उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बी.आर.डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर के इन्सेफ्लाइटिस उन्मूलन अभियान के संयोजक डॉ. वी.के. श्रीवास्तव एवं डॉ. बी.के. सिंह, अमर उजाला के सम्पादक सहित प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, ग्राम प्रधान श्री राजकुमार उपस्थित रहे।

इन्सेफेलाइटिस उन्मूलन कार्यक्रम में रासेयो के वालेंटियर

मनोविज्ञान विभाग में कार्यशाला

18 दिसम्बर को मनोविज्ञान विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 'व्यक्तित्व की दार्शनिक अवधारणा' विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में वाणिज्य प्रवक्ता श्री वागीशराज पाण्डेय ने 'व्यक्तित्व की समग्र व्याख्या' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन सुश्री हिमान्द्री सिंह ने किया।

कार्यशाला में विचार व्यक्त करती श्रीमती शिप्रा सिंह

रामप्रसाद बिस्मिल एवं अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस

19 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह द्वारा रामप्रसाद बिस्मिल एवं अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस के अवसर पर विचार प्रस्तुत किया गया तथा महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रार्थना सभा में कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

राजनीतिशास्त्र विभाग में समूह परिचर्चा

19 दिसम्बर को राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह द्वारा 'कश्मीर में आतंकवाद एवं धारा 370' विषय पर एक संक्षिप्तकी प्रस्तुत कर समूह परिचर्चा का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण कुमार एवं आभार ज्ञापन डॉ. यशवन्त कुमार राव द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजनीतिशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने सहभागिता किया।

समूह चर्चा में उपस्थित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी

वीर छत्रसाल पुण्यतिथि कार्यक्रम में शिक्षक एवं विद्यार्थी

वीर छत्रसाल पुण्यतिथि

20 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री वागीश राज

पाण्डेय ने वीर छत्रसाल की पुण्यतिथि के अवसर पर विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि दी।

गणित एवं सांख्यिकी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान देते डॉ. के.बी. गुप्ता

22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. के.बी. गुप्ता, विभागध्यक्ष, गणित विभाग, सेन्ट एण्ड्रयूज पी.जी. कालेज, गोरखपुर ने अपने उद्‌बोधन में छात्र-छात्राओं को प्योर मैथमेटिक्स के मूलभूत कॉन्सेप्ट के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के विभागध्यक्ष श्रीकान्त मणि त्रिपाठी तथा आभार सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार राव ने किया।

चौधरी चरण सिंह जयन्ती

योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में ध्यान का प्रशिक्षण करते डॉ. सुभाष गुप्ता

23 दिसम्बर को महाविद्यालय में चौधरी चरण सिंह की जयन्ती के अवसर पर वाणिज्य विभाग प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने प्रार्थना सभा में उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित हुआ।

योगीराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति कैनवास बॉल प्रतियोगिता

विजयी टीम के साथ महाविद्यालय के शिक्षक

24 दिसम्बर को तीन दिवसीय योगीराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति कैनवास बॉल प्रतियोगिता का शुभारम्भ महाविद्यालय के क्रीड़ांगन में हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने प्रतिभाग किया तथा फाइनल मैच 26 दिसम्बर को योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवाश्रम तथा कला संकाय के बीच खेला गया जिसमें कला संकाय की टीम विजयी रही। 'मैन ऑफ द मैच' विशाल प्रताप सिंह को तथा मैन ऑफ द सीरिज श्याम बिहारी जायसवाल को दिया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर क्रीड़ा प्रभारी श्री मृत्युंजय कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया।

समाजशास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभागी

26 दिसम्बर को महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रुप में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. कृष्ण कुमार उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में कुल 23 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें सत्यम मिश्रा बी.ए. द्वितीय प्रथम स्थान, अंकिता यादव बी.ए. तृतीय वर्ष द्वितीय स्थान तथा आशीष मद्धेशिया बी.ए. तृतीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वाणिज्य संकाय में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में पुरस्कृत प्रतिभागी

27-28 दिसम्बर को वाणिज्य संकाय द्वारा दो दिवसीय शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 29 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। स्नातक वर्ग में नितिन तिवारी बी.काम. तृतीय वर्ष तथा अफजल अली बी.काम. तृतीय वर्ष को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, मनीषा श्रीवास्तव बी.काम. तृतीय वर्ष तथा कृष्णानन्द बी.काम. प्रथम वर्ष को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान एवं सलोनी दूबे बी.काम. प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। परास्नातक वर्ग में अनुभव श्रीवास्तव एम.काम. अंतिम वर्ष को प्रथम स्थान, रजत श्रीवास्तव एम.काम. अंतिम वर्ष को द्वितीय स्थान तथा कुमार सिद्धार्थ यादव एम.काम. प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हिन्दी विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता के अवसर पर उपस्थित प्रतिभागीगण

29 दिसम्बर हिन्दी विभाग द्वारा 'शोध व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन हुआ जिसका संयोजन हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया। प्रतियोगिता में 23 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम स्थान पर बी.ए. प्रथम वर्ष की आराधना गौड़, द्वितीय स्थान पर बी.ए. प्रथम वर्ष के अनिल कुमार यादव तथा तृतीय स्थान पर बी.ए. द्वितीय वर्ष के तनु यादव रहीं।

महर्षि रमण जयन्ती

30 दिसम्बर को महाविद्यालय में महर्षि रमण जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना सभा में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार द्वारा उद्‌बोधन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महर्षि रमण जयन्ती पर विचार व्यक्त करते डॉ. कृष्ण कुमार

शान्ति स्वरुप भटनागर स्मृति दिवस

1 जनवरी 2018 को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में शान्ति स्वरुप भटनागर स्मृति दिवस के अवसर पर रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल द्वारा उद्‌बोधन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सुश्री दीप्ती गुप्ता, श्रीमती विभा सिंह सहित शिक्षक, कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रार्थना सभा में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. शिवकुमार बर्नवाल

शोक सभा

3 जनवरी को वरिष्ठ अधिवक्ता एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सम्मानीय सदस्य श्री प्यारे मोहन सरकार के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में आयोजित शोक सभा में प्राचीन इतिहास विभागाध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्रा ने प्यारे मोहन सरकार के व्यक्तित्व एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद में उनके योगदान का उल्लेख करते हुए नमन किया। दो मिनट का मौन रहकर शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने श्रद्धांजलि दी।

श्री प्यारे मोहन सरकार को श्रद्धांजलि देता महाविद्यालय

गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती

4 जनवरी को सिखों के दसवें गुरु गोविन्द सिंह की जयन्ती के पूर्व दिवस के अवसर पर प्रार्थना सभा में इतिहास विभाग प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती पर विचार प्रस्तुत करते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में रक्षा प्रदर्शनी

रक्षा प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. विजय कुमार चौधरी व अन्य

8 जनवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शोध छात्र श्री अमित त्रिपाठी, श्री इन्द्रजीत कुमार तथा श्री रोशन कुमार उपस्थित थे। प्रदर्शनी में प्रथम स्थान रत्नेश नाथ योगी बी.एस-सी. भाग दो, द्वितीय स्थान आकाश कुमार यादव बी.ए. भाग तीन व तृतीय स्थान अर्वतिका यादव बी.ए. भाग दो को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभिषेक सिंह एवं डॉ. रमाकान्त दुबे द्वारा किया गया।

मनोविज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान एवं व्याख्यान प्रतियोगिता

पी.पी.टी. पर अपना विचार रखती छात्रा

9 जनवरी को महाविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'युवाओं के लिए समय प्रबन्ध का महत्त्व' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. वेंकट रमण पाण्डेय ने अपना विचार व्यक्त किया।

इसी दिन मनोविज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें कुल 24 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विजयी प्रतिभागियों में प्रथम स्थान पर बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के विवेक कुशवाहा, द्वितीय स्थान पर बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के सैफ खान, तृतीय स्थान पर बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की रीतू सिंह तथा सांत्वना पुरस्कार बी.ए. तृतीय वर्ष के विनय साहनी ने प्राप्त किया।

पी.पी.टी. पर अपना विचार रखती छात्रा

अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

10 जनवरी को महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भगवान दत्त महिला

महाविद्यालय, चौरी-चौरा, गोरखपुर की अंग्रेजी साहित्य विषय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निलिमा दूबे उपस्थित थीं। प्रतियोगिता में कुल 28 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विजयी प्रतिभागियों में प्रथम स्थान पर बी.ए. प्रथम वर्ष की शिवांगी राय, द्वितीय स्थान पर बी.ए. प्रथम वर्ष के सौरभ ओझा, तृतीय स्थान पर बी.ए. द्वितीय वर्ष के विवेक कुमार विश्वकर्मा तथा सांत्वना पुरस्कार बी.ए. प्रथम वर्ष के अमृत कुमार ने प्राप्त किया। आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान द्वारा किया गया।

भारत-भारती पखवारा (12 जनवरी विवेकानन्द जयन्ती से 26 जनवरी गणतन्त्र दिवस तक) उद्घाटन समारोहः

स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व और कृतित्व पर व्याख्यान देते प्रो. रविशंकर सिंह

11 जनवरी को महाविद्यालय में भारत-भारती पखवारा (भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती एवं गणतन्त्र दिवस समारोह एवं इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं तथा गतिविधियों का आयोजन किया जाता है) के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती के पूर्व दिवस पर आयोजित समारोह को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं भौतिकी के आचार्य प्रो. रविशंकर सिंह ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव व संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभागी

12 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत 'भारत के आर्थिक विकास में जी.एस.टी. विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी.ए. प्रथम वर्ष के अंकित कुमार पाण्डेय, द्वितीय स्थान पर बी.ए. प्रथम वर्ष के अमन कुमार राणा एवं तृतीय स्थान पर बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के राकेश कुमार चौरसिया रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने सभी प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।

विशिष्ट व्याख्यान

13 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत 'वैश्वीकरण का बदलता परिदृश्य' विषय पर डॉ. कृष्ण कुमार, प्रवक्ता, राजनीतिशास्त्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रार्थना सभा में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन श्री विनय कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन भारत-भारती पखवारा कार्यक्रम संयोजक श्रीमती कविता मंध्यान् ने किया।

व्याख्यान देते डॉ. कृष्ण कुमार एवं मंचस्थ शिक्षकगण

गायन प्रतियोगिता एवं युवा काव्य पाठ

17 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत 'गायन प्रतियोगिता' आयोजित की गई जिसमें कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एम.एस-सी. प्रथम वर्ष की आकांक्षा सिंह, द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के समीर पाण्डेय एवं बी.एड प्रथम वर्ष की प्रिया वर्मा तथा तृतीय स्थान बी.एड. प्रथम वर्ष की पूनम गुप्ता और प्रतिभा शुक्ला को प्राप्त हुआ। साथ ही 'युवा काव्य पाठ' प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान एम.ए. द्वितीय वर्ष की प्राची, बी.एड. द्वितीय वर्ष के आदित्य गुप्ता एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष के दुर्गेश साहनी को प्राप्त हुआ।

गायन प्रस्तुत करते प्रतिभागी एवं निर्णायक मण्डल

भूगोल विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

17 जनवरी को भूगोल विभाग द्वारा 'मानव विकास का पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. प्रमोद कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही ने किया।

व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. प्रमोद कुमार एवं भूगोल विषय के विद्यार्थी

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

18 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के तत्वावधान में भाषण-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय ''भारत निर्माण में युवाओं की भूमिका'' था। बी.ए. द्वितीय वर्ष के राहुल गिरि प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष के अंकित पाण्डेय द्वितीय एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष के विवेक विश्वकर्मा तृतीय स्थान पर रहें। भाषण प्रतियोगिता का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में अपना विचार व्यक्त करती छात्रा

भूगोल विभाग में सेमिनार एवं मैप ड्राइंग प्रतियोगिता

18-19 जनवरी को भूगोल विभाग द्वारा ''पर्यावरण के समक्ष चुनौतियाँ'' विषय पर द्विदिवसीय सेमिनार एवं मैप ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मैप ड्राइंग प्रतियोगिता में कुल 127 विद्यार्थी सम्मिलित हुए जिसमें गरिमा जायसवाल बी.ए. भाग तीन ने प्रथम स्थान, खुश्बू बी.ए. भाग दो ने द्वितीय स्थान तथा शिवांगी राय बी.ए. भाग एक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सेमिनार ने 136 विद्यार्थियों ने सहभाग किया जिसमें बन्दना बी.ए. भाग तीन ने प्रथम स्थान, अपराजिता पाण्डेय बी.ए. भाग दो ने द्वितीय स्थान तथा आराधना गौड़ बी.ए. भाग एक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. विजय कुमार चौधरी एवं भूगोल प्रवक्ता डॉ. प्रवीन्द्र कुमार ने विद्यार्थियों के प्रति शुभकामना ज्ञापित किया।

मैप ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रतिभागी

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि

19 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप के पुण्यतिथि के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी द्वारा महाराणा प्रताप के बलिदान एवं त्याग से सम्बन्धित ऐतिहासिक घटनाओं के माध्यम से छात्रों को उत्प्रेरित किया। राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव पैदा करने में यह व्याख्यान अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप

व्याख्यान देते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

कुमार राव, कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं आभार ज्ञापन डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

गृहविज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभागीगण

20 जनवरी को गृहविज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 22 छात्राओं द्वारा प्रोटीन, मधुमेह, विटामिन्स, बाल मृत्यु, कुपोषण आदि विषय/क्षेत्रों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। निर्णायक मण्डल के रूप में चौधरी चरण सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिद्धार्थनगर के गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता सुश्री रजनी मिश्रा एवं सुश्री पूनम मिश्रा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्रतियोगिता में इशरत जहाँ प्रथम स्थान, ललिता द्वितीय स्थान एवं सोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष की चन्दा शर्मा एवं आभार ज्ञापन गृहविज्ञान प्रभारी श्रीमती किरन सिंह ने किया।

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

20 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत महाविद्यालय में प्राणि विज्ञान के प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह द्वारा सामूहिक योग प्रशिक्षण का अभ्यास कराया गया। इस योग प्रशिक्षण में भ्रस्त्रिका, अनुलोम-विलोम, कपालभाती तथा भ्रामरी इत्यादित का अभ्यास कराया गया।

वार्षिक एथलेटिक्स मीट

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी

21-22 जनवरी को भारत-भारतीय पखवारा के अन्तर्गत द्वि-दिवसीय वार्षिक एथलेटिक्स मीट का आयोजन किया गया। इसमें 100 मी., 200 मी. व 400 मी., 800 मी. दौड़, लम्बी कूद, गोलाक्षेपण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः बालक वर्ग 200 मी. दौड़ में अजय सिंह बी.एस-सी. प्रथम वर्ष प्रथम स्थान, आकाश यादव बी.एस-सी. प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान एवं श्याम बिहारी जायसवाल बी.काम प्रथम वर्ष तृतीय स्थान एवं बालिका वर्ग में 100 मी. व 200 मी. दौड़ में कुमकुम चौहान बी.काम. द्वितीय वर्ष प्रथम स्थान, गायत्री सिंह चौहान बी.ए.

दौड़ प्रतियोगिता में सहभाग करते छात्र

द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान तथा श्रेयसी सिंह बी.ए. तृतीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मी. दौड़ में (बालक वर्ग में) अश्वनी प्रजापति बी.काम. तृतीय वर्ष, सुबोध यादव बी.ए. तृतीय वर्ष तथा पंकज कुमार यादव बी.ए. द्वितीय वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद (बालक वर्ग) की प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष के दयालु चौहान ने प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष तृतीय स्थान पर रहे एवं बालिका वर्ग में कुमकुम चौहान बी.काम. द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, कुमारी खुश्बू बी.ए. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा एम.काम. प्रथम वर्ष की छात्रा तेजस्वनी यादव तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मी. दौड़ (बालक वर्ग) अजय सिंह बी.एस-सी प्रथम वर्ष प्रथम, पंकज कुमार यादव बी.ए. द्वितीय वर्ष द्वितीय, आकाश यादव बी.एस-सी. प्रथम वर्ष तृतीय स्थान पर रहे। 800 मी. दौड़ (बालक वर्ग) पंकज यादव बी.ए. प्रथम वर्ष प्रथम, सोमनाथ कन्नौजिया बी.एड्. द्वितीय वर्ष द्वितीय, दयानन्द चौहान बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय स्थान पर रहे। 22 जनवरी को गोला क्षेपण (बालक वर्ग) में एम.काम. द्वितीय वर्ष के सिद्धार्थ शुक्ला प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष के दयालु चौहान द्वितीय स्थान एवं बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के विशाल शुक्ला तृतीय स्थान पर रहे। गोला क्षेपण (बालिका वर्ग) में बी.ए. तृतीय वर्ष की श्रेयसी सिंह प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की माध्वी उपाध्याय द्वितीय स्थान एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष की कु. खुश्बू तृतीय स्थान पर रहीं। भाला क्षेपण (बालक वर्ग) में एम.काम. द्वितीय वर्ष के सिद्धार्थ शुक्ला प्रथम स्थान, एम.काम. प्रथम वर्ष के श्याम बिहारी जायसवाल द्वितीय स्थान एवं बी.काम. तृतीय वर्ष के अश्वनी प्रजापति तृतीय स्थान पर रहे।

बसन्त पंचमी समारोहः अनुष्ठान एवं उत्सव

बसन्त उत्सव के अवसर पर माँ सरस्वती की आराधना

22 जनवरी को महाविद्यालय में ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के पूजा के साथ बसन्त उत्सव समारोहपूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख विधि-विधान से पूजा-अर्चन किया गया। इस अनुष्ठानिक कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में बी.एड. विभाग की शिक्षिका श्रीमती विभा सिंह ने पूजा कार्य सम्पन्न कराया। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी पूजा में सम्मिलित हुए। तत्पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर बैडमिण्टन प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी

23 जनवरी को महाविद्यालय में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी की जयन्ती के अवसर पर क्रीड़ा विभाग के प्रभारी श्री मृत्युंजय कुमार सिंह ने विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्रीड़ा विभाग द्वारा बैडमिण्टन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में एम.काम. प्रथम वर्ष के ऋषभ शर्मा, अनुज कुमार प्रजापति विजेता एवं बी.काम. द्वितीय वर्ष के नितीश रंजन, बी.काम. प्रथम वर्ष के अभिषेक भट्टाचार्य की टीम उपविजेता रही। बालिका वर्ग में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की शिप्रा वर्मा, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की प्रिया गुप्ता विजेता एवं एवं बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की राखी चौरसिया, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की कशिश सिंह की टीम उपविजेता रही।

भूगोल विभाग का शैक्षणिक भ्रमण

भूगोल विभाग का शैक्षणिक भ्रमण के अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी

भूगोल विभाग के बी.ए. भाग तीन के छात्र/छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी के निर्देशन में 24 जनवरी को गोरखपुर से हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, देहरादून, मसूरी आदि स्थानों को भ्रमण के लिए प्रस्थान किया। सभी स्थलों पर भ्रमण के उपरान्त वापसी 2 फरवरी को हुयी।

मेंहदी प्रतियोगिता

मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभागी

24 जनवरी भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 23 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पायल वर्मा बी. एस-सी. तृतीय वर्ष, सावित्री बी.एड. प्रथम वर्ष तथा संयुक्त रूप से शिल्पा सिंह बी.ए. प्रथम वर्ष एवं प्रिया गुप्ता बी.एस-सी. तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

रंगोली प्रतियोगिता

भारत-भारती पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 25 जनवरी को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.एड. प्रथम वर्ष की जया गौतम प्रथम स्थान, बी.एड. प्रथम वर्ष की ही सावित्री द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की पायल शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं।

गणतन्त्र दिवस

गणतंत्र दिवस समारोह में अपना विचार रखते प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन उत्सवपूर्वक सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया, राष्ट्रगान और वन्देमातरम के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उसके उपरान्त महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें देशभक्ति गीत, भारतीय सैनिकों के बलिदान से सम्बन्धित नाटक, काव्यपाठ एवं उत्प्रेरक भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने अपने उत्प्रेरक व्याख्यान द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। अन्त में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने वर्ष भर की गतिविधियों एवं प्रयासों को शहीदों के चरणों में समर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अभिभावक शिक्षण संघ सम्मेलन

अभिभावक सम्मेलन में अपना विचार रखते नव निर्वाचित अभिभावक संघ अध्यक्ष श्री रामरूप

शिक्षक अभिभावक समिति की बैठक 26 जनवरी को महाविद्यालय में सम्पन्न हुयी। बैठक में पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न हुयी। अध्यक्ष श्री रामरूप, उपाध्यक्ष श्री दिलीप चौहान, महामंत्री श्री महेश कुमार सैनी एवं सचिव डॉ. रामसहाय (शिक्षक) का चुनाव हुआ।

इतिहास विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

27 जनवरी को प्राचीन इतिहास एवं मध्यकालीन इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 19 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर बी.एड. विभाग के प्रवक्ता श्री नवनीत कुमार सिंह एवं मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र

ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान क्रमशः कार्तिकेय मिश्र बी.ए. प्रथम वर्ष, कुमारी खुशबू बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं कुमारी सीमा पाण्डेय व अराधना गौड़ बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया तथा सांत्वना पुरस्कार संयुक्त रूप से दुर्गेश साहनी बी.ए. भाग दो, राहुल गिरी बी.ए. भाग दो एवं अंकित कुमार पाण्डेय बी.ए. भाग दो ने प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों का इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागीगण एवं विभाग के शिक्षक

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

27 जनवरी को प्राणि विज्ञान के प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह द्वारा सामूहिक योग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षण में अनुलोम-विलोम, भ्रामरी आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम

गणित एवं सांख्यिकी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

29 जनवरी को गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा 'न्यूमेरिकल एनलिसिस' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. विजय कुमार, आचार्य, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने तथा आभार ज्ञापन सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण कुमार राव ने किया।

व्याख्यान देते प्रो. विजय कुमार

हिन्दी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

29 जनवरी को हिन्दी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी, पूर्वोत्तर विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय ने ''साहित्य की भूमिका''

विषय पर अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

व्याख्यान देते डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट वख्यान

30 जनवरी को महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एच.सी. गुप्ता, अवकाश प्राप्त एसोसिट प्रो. रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने ''एलिमेंट्री एण्ड एडवांस आईडिया एबाउट कार्बोकेटायन इण्टरमिडिएट्स'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, संचालन विभाग के प्रवक्ता श्री प्रदीप वर्मा तथा आभार ज्ञापन प्रवक्ता श्री संजय जायसवाल द्वारा किया गया।

व्याख्यान कार्यक्रम के अवसर पर डॉ. एच.सी. गुप्त एवं अन्य

राष्ट्रीय सेवा योजना-एक दिवसीय शिविर

31 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संत रविदास के जयन्ती के अवसर पर द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। एक दिवसीय शिविर में स्वच्छता अभियान एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सफाई अभियान में स्वयंसेविकाओं की चौदह टीमें तथा स्वयंसेवकों की दस टीमें टोलियों ने प्रभारियों के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान सम्पन्न किया। संत रविदास के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर परिचर्चा कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने संत रविदास के विचारों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों के साथ जोड़ते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। संत रविदास का पूरा जीवन छूआछूत का खंडन करते हुए सामाजिक समरसता की स्थापना के लिए समर्पित था। डॉ. यशवन्त कुमार राव, प्राणि विज्ञान के प्रवक्ता श्री विनय कुमार सिंह सहित स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने सहभागिता किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम में श्रमदान करते वालेंटियर

बी.एड. में विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान देती प्रो. शैलजा सिंह

01 एवं 02 फरवरी को बी.एड. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। 01 फरवरी को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रो. शैलजा सिंह ने 'अभिक्रमित अनुदेशन के विभिन्न प्रकार' विषय पर व्याख्यान दिया। 02 फरवरी को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र के प्रो. राजेश कुमार सिंह ने 'क्रियात्मक अनुसंधान' विषय पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बी.ए. विभाग के भाग एक एवं दो के विद्यार्थियों सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

हिन्दी विभाग में राष्ट्रीय कार्यशाला- 03-04 फरवरी

उद्घाटन समारोह

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मा. विधान सभा अध्यक्ष एवं अन्य

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में 03 एवं 04 फरवरी को ''स्वतंत्र भारत में हिन्दी की विकास यात्रा'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ में किया गया। 03 फरवरी को आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन माननीय विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित जी द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कन्हैया सिंह भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों के स्वागतोपरान्त दो दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला की संपूर्ण प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। उद्घाटन समारोह का संचालन महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय सहित महाविद्यालयों के शिक्षक तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रथम तकनीकी सत्र

प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कन्हैया सिंह ने

की। मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. अनन्त मिश्र ने ''वर्तमान भारत में हिन्दी की दशा'' विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता के रूप में सतीश चन्द पी.जी. कालेज के हिन्दी विभाग के सेवानिवृत आचार्य डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने ''हिन्दी के विकास मे प्रादेशिक संस्थाओं का योगदान'' विषय पर अपने विचार रखे। इस सत्र में कुल 12 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

तकनीकी सत्र को सम्बोधित करते प्रो. अनन्त मिश्र

द्वितीय तकनीकी सत्र

द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता किसान पी. जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के अवकाश प्राप्त प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने ''राष्ट्र भाषा हिन्दी के अनन्य समर्थक'' विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. पवन अग्रवाल ने भी ''हिन्दी और कम्प्यूटर'' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर के हिन्दी विभाग की वरिष्ठ आचार्य डॉ. गायत्री सिंह ने ''वर्तमान परिवेश में हिन्दी की स्थिति'' विषय पर प्रकाश डाला। इस सत्र में 19 प्रतिभागियों ने भिन्न-भिन्न शीर्षकों पर अपने शोध-पत्रों का वाचन किया।

तकनीकी सत्र में व्याख्यान देते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

तृतीय तकनीकी सत्र

कार्यशाला के दूसरे दिन 04 फरवरी को प्रात: 09:00 बजे से तृतीय तकनीकी सत्र प्रारम्भ हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. रमेश चन्द्र त्रिपाठी ने की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य डॉ. अनुपम आनन्द ने बतौर मुख्य अतिथि ''हिन्दी की प्रकृति एवं विकास'' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज, कानपुर के हिन्दी

कार्यशाला में अपना विचार रखते डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह एवं मंचस्थ अतिथि

विभाग के उपाचार्य डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में ''हिन्दी भाषा का कार्यालयी उपयोग'' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

विशेष व्याख्यान

कार्यशाला में विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के अवसर पर ''पत्रकारिता, बाजार एवं हिन्दी'' विषय पर उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त तथा ''हिन्दी और मीडिया'' विषय पर प्रो. पवन अग्रवाल ने शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

कार्यशाला में विशेष व्याख्यान देते प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त एवं मंचस्थ अतिथि

चतुर्थ तकनीकी सत्र

चतुर्थ तकनीकी सत्र विशुद्ध रूप से हिन्दी के व्यवहारिक पक्ष पर आधारित प्रशिक्षण सत्र के रूप में समानान्तर 04 कक्षाओं में संचालित किया गया। प्रथम कक्ष (कौटिल्य) में संचालित प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष के रूप में जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में डी.सी.एस. खण्डवाल पी.जी. कालेज, मऊ के हिन्दी विभाग के डॉ. सर्वेश पाण्डेय उपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय कक्ष (वराहमिहिर) में संचालित प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. रमेशचन्द्र त्रिपाठी एवं विषय विशेषज्ञ डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज, कानपुर के डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह रहे। तृतीय कक्ष (समर्थगुरू रामदास) में संचालित प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय ''साहित्येन्दु'' एवं विषय विशेषज्ञ लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. पवन अग्रवाल रहे। चौथे कक्ष (छत्रपति शिवाजी) में चलने वाले प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष डी.एस.वी. पी.जी. कॉलेज, आजमगढ़ के डॉ. जगदम्बा प्रसाद दूबे एवं उन्नाव से आयी डॉ. मीनाक्षी सिंह विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहीं। सभी प्रतिभागी बराबर-बराबर संख्या में विभाजित होकर चारो कक्षों में उपास्थित रहे।

तकनीकी सत्र में व्याख्यान देते विषय विशेषज्ञ

समापन समारोह

समापन समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह, मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं पूर्व आचार्य, हिन्दी विभाग

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. रामदेव शुक्ल का मूल्यवाची व्याख्यान हुआ। मंचस्थ अतिथियों में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय, प्रो. पवन अग्रवाल, प्रो. अनुपम आनन्द, डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय, डॉ. जगदम्बा प्रसाद दूबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यशाला की संयोजिका डॉ. आरती सिंह ने दो दिनो की कार्यशाला के समस्त गतिविधियों की रिपोर्ट का वाचन किया। अन्त में महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के समस्त अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों के अतिरिक्त महानगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यशाला के समापन समारोह के अवसर पर मंचस्थ अतिथि

राष्ट्रीय सेवा योजनाः एक दिवसीय शिविर

04 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर अभिगृहित गाँव मझौरिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर में सम्पन्न हुआ। शिविर में गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता, साक्षरता एवं स्वास्थ्य से सम्बन्धित जनजागरण एवं श्रमदान का कार्य किया।

रासेयो के जनजागरण रैली में छात्र-छात्राएं

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

06 फरवरी से 19 फरवरी तक महाविद्यालय में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा आयोजित की गयी। यह परीक्षा पूर्णतः विश्वविद्यालय परीक्षा पद्धति पर सम्पन्न करायी जाती है। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी का आगामी विश्वविद्यालय की परीक्षा की तैयारी का अभ्यास कराने का होता है। 23 फरवरी को परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यार्थी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका का अवलोकन कर त्रुटि को ठीक करते हैं।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा 2018 में सहभाग करते विद्यार्थी

सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण परीक्षा

19 एवं 20 फरवरी को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेंटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त प्रशिक्षार्थियों का लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गयी।

राष्ट्रीय सेवा योजना: सप्त दिवसीय विशेष शिविर एवं बी.एड्. विभाग में रोवर्स रेंजर्स शिविर

20 से 26 फरवरी तक राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप ईकाई का संयुक्त सप्त दिवसीय विशेष शिविर अभिगृहित गाँव मझेरिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित है तथा बी.एड्. विभाग में रोवर्स रेंजर्स शिविर का आयोजन।

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित अतिथि एवं शिविरार्थी

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली द्वारा अनुदानित वृहद् शोध परियोजना–

महाविद्यालय में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. महेश कुमार शरण द्वारा ''पितृतीर्थ गया: इतिहास, संस्कृति एवं पर्यटन'' विषय पर वृहद् शोध-परियोजना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय द्वारा उक्त प्रस्ताव भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली को भेजा गया। उक्त वृहद् शोध परियोजना स्वीकृत हुयी। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् द्वारा रु. 500000 (पाँच लाख रू.) उक्त शोध-परियोजना हेतु अनुदान स्वीकृत हुआ। जनवरी 2017 ई. से उपर्युक्त वृहद शोध-परियोजना पर शोध कार्य चल रहा है। जनवरी 2019 ई. तक यह शोध-परियोजना पूर्ण होगी।

आगामी कार्यक्रम

शैक्षिक कार्यशाला

04 से 10 मार्च शैक्षिक कार्यशाला 'अनुभव आधारित शैक्षिक गुणवत्ता' विषय पर प्रस्तावित है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर

05 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना का चतुर्थ एक दिवसीय शिविर प्रस्तावित है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 29-30 मार्च को 'लोक भाषा में नाथपथ का योगदान' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली (आई.सी.एच.आर.) एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज के तत्वावधान में 13-14 अप्रैल को '1942 के स्वतंत्रता आन्दोलन में पूर्वी उत्तर प्रदेश की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित है।

नूतन आयाम

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः 9:25 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईशोपासना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरूष/घटना की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरूष/घटना के सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भागवत्‌गीता का हिन्दी अनुवाद सहित तीन श्लोक का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा सुविधानुसार स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलाई जाती है तथा 11.40 से 1.00 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापक एवं मासिक मूल्यांकन के अंक का उल्लेख होता है।

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्त्व विकास की अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की कम से कम पाँच कक्षायें प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित की जाती है।

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से दिया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग एवं छात्रसंघ की भूमिका

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। छात्रसंघ अपने बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। छात्र अपनी समस्यायें रखता है, प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात छात्र कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

छात्रसंघ की साधारण सभा

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित की जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

दीवाल पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवाल पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवाल पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवाल पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका के माध्यम से प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है।

अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा रहा है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय है - ग्रामीण भारत का भविष्य 2006; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 2008; उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में 2010; आर्दश शिक्षक आचरण एवं व्यवहार 2011; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि 2012; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार 2014; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा 2017; क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन 2017, इन्स्टीट्यूशनल स्वच्छता रैंकिंग रिपोर्ट 2017।

महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सक अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस-पास के गाँवों के मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं नि:शुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में नि:शुल्क एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। अभी तक हजारों की संख्या में रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्विविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई-बुक्स, ई-जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने का अवसर विद्यार्थी-शिक्षकों को प्राप्त है।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में 4 बार अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

गाँव में महाविद्यालय

नि:शुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार नि:शुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन-मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों कीशृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन-मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई का छ: माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें।

नि:शुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को नि:शुल्क छ: माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छ: माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

हमारे महापुरुष पाठ्यक्रम

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा-परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन-मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छ: माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

स्व मूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षा द्वारा प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप-'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में प्राचार्य द्वारा सीधे फीड-बैक लिया जाता है। इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग-अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ-साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। पत्रिका में प्रत्येक माह महाविद्यालय से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियों का संयोजन होता है।

सिविल सविर्सेज सामान्य अध्ययन

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016-17 से विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त नि:शुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है। इसके संयोजक राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार हैं।

मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप

मॉडल स्कूल

कृषक इण्टर कालेज के कक्षा 6, 7 एवं 8 की कक्षाओं को बी.एड. विभाग द्वारा 'माडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन-पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षकों की कमी से जूझ रहे अनुदानित स्कूल में किया जा रहा यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड. कालेज द्वारा आस-पास के स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा के लिए शिक्षक की कमी पूरी की जा सकती है।

आदर्श ग्राम योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा इस सत्र से अभिगृहीत ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अन्तर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया।

वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक उपयोग हेतु महाविद्यालय परिसर वाई-फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों-विद्यार्थियों को नि:शुल्क उपलब्ध करा दी गई।

सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना

वर्तमान सत्र 2017-18 से गोद लिए गए विद्यार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास कसे एक समूह मानकर सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना की परिकल्पना लागू की गई। यह अनिवार्य किया गया कि छात्रावास के सभी विद्यार्थी गोद लिए जाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में लिए जाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना में शेष रिक्त स्थानों पर गोद लिए गए विद्यार्थी ही सम्मिलित किए जाएं। इससे एक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास पर शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास की तीन इकाई कार्य करेगी।

समावर्तन संस्कार समारोह-2017

सत्र 2016-17 के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह 25 फरवरी 2017 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर तिलक मांझी, भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार के पूर्व कुलपति प्रो. रामशंकर दूबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति डॉ. भोलेन्द्र सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह एवं इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय उपस्थित रहे। इस अवसर पर शिक्षक-अभिभावक संघ के पदाधिकारी एवं पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

वार्षिक योजना विवरण

वार्षिक योजना के महत्वपूर्ण विषय

1. शैक्षिक पंचांग
2. दायित्त्वसह कार्य विभाजन
3. प्रवेश एवं परीक्षा
4. समय-सारणी एवं पठन-पाठन
5. पुस्तकालय-वाचनालय
6. प्रयोगशाला
7. कक्षाध्यापन में नए प्रयोग
8. विभागीय योजना- व्याख्यान, संगोष्ठी, शोध-व्याख्यान, प्रतियोगिता, विभागीय रपट की समीक्षा एवं वर्तमान सत्र की योजना।
9. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-
   - (क) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन
   - (ख) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
   - (ग) प्रार्थना सभा
   - (घ) शिक्षक आचार संहिता
   - (ङ) शिक्षक प्रतिपुष्टि
   - (च) शिक्षक स्वमूल्यांकन
   - (छ) पाठ्यक्रम योजना
   - (ज) गोद लिए गए विद्यार्थी
   - (झ) गोद लिए गए गाँव
   - (ञ) मासिक मूल्यांकन
10. प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम
11. नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई
12. नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण
13. छात्र-संघ
14. क्रीड़ा
15. राष्ट्रीय सेवा योजना
16. एन.सी.सी.
17. वेबसाइट
18. तकनीकी प्रसार
19. कार्यालय
20. वार्षिक बजट
21. अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम-
   - (क) महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला
   - (ख) सप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
   - (ग) संस्थापक सप्ताह समारोह (महाविद्यालय)
   - (घ) संस्थापक सप्ताह समारोह (4-10 दिसम्बर-शिक्षा परिषद)
   - (च) भारत-भारती पखवारा
   - (छ) समावर्तन संस्कार-समारोह

वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार-विमर्श कर सर्व सम्मति से निम्न निर्णय लिए गए -

1. **शैक्षिक पंचांग** - महाविद्यालय का शैक्षिक पंचांग पांच खण्डों से मिलकर बनाया गया। पहला

खण्ड- महाविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं समय-सारणी का। दूसरा खण्ड- विभागवार कार्यक्रमों का तथा तीसरा खण्ड- क्रीड़ा गतिविधियों का। चौथा खण्ड- राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक विवरण एवं पांचवां खण्ड- प्रमुख अवकाश का। शैक्षिक पंचांग निम्नवत है -

खण्ड-1 : वार्षिक तिथिक्रम - महत्वपूर्ण कार्यक्रम

04 जुलाई 2017	स्वामी विवेकानन्द स्मृति पौधारोपण
15 जुलाई	कक्षारम्भ
27 जुलाई	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस
30 जुलाई	अपने गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विभाग
01 अगस्त	नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत समारोह एवं लोकमान्य तिलक महाप्रयाण - अभिरुचिकारी व्याख्यान (1)
13 अगस्त	भारत विभाजन की पूर्व संध्या (अखण्ड भारत स्मृति दिवस)
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
16 अगस्त	रामकृष्ण परमहंस महाप्रयाण - अभिरुचिकारी व्याख्यान (2)
17-23 अगस्त	राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यानमाला
28-29-30 अगस्त	छात्रसंघ चुनाव
04 सितम्बर	ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह उद्घाटन कार्यक्रम
05 सितम्बर	शिक्षक दिवस (सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जयन्ती) बी.एड. द्वारा कार्यक्रम
07 सितम्बर	विपिन चन्द्रपाल जयन्ती - अभिरुचिकारी व्याख्यान (3)
09 सितम्बर	युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति श्रद्धांजलि कार्यक्रम (महाविद्यालय परिसर में)
10 सितम्बर	ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह समापन कार्यक्रम - (गोरखनाथ मन्दिर परिसर में)
12 सितम्बर	शिक्षक संघ चुनाव
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस, छात्र संघ शपथ ग्रहण
16 सितम्बर	राष्ट्रीय संगोष्ठी
18 सितम्बर	कर्मचारी संघ चुनाव
19 सितम्बर	(अश्विनकृष्ण चतुदर्शी) योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान (पुण्यतिथि समारोह)
21 सितम्बर	महाराजा अग्रसेन जयन्ती-व्याख्यान
02 अक्टूबर	महात्मा गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

05 अक्टूबर	महर्षि वाल्मिकि जयन्ती पर अपने गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विभाग
29 अक्टूबर	अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति प्रवेश परीक्षा
31 अक्टूबर	सरदार बल्लभ भाई पटेल/आचार्य नरेन्द्र देव जयन्ती - व्याख्यान
15-21 नवम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह एवं युवा महोत्सव (महाविद्यालय स्तर पर)
19 नवम्बर	अभिभावक सम्मेलन
24 नवम्बर	गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस पर व्याख्यान
04 -10 दिसम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर)
06 दिसम्बर	बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाप्रयाण - अभिरुचिकारी व्याख्यान (4)
16 दिसम्बर	विजय दिवस समारोह
17 दिसम्बर	पुरातन छात्र सम्मेलन
12-26 जनवरी 2018	भारत-भारती पखवारा
22 जनवरी	बसन्त पंचमी उत्सव - माँ सरस्वती पूजन
27 जनवरी	स्व डॉ. डी.पी.एन. सिंह पुण्यतिथि कार्यक्रम
31 जनवरी	माघपूर्णिमा - संत रविदास जयन्ती - अभिरुचिकारी व्याख्यान (5)
03-04 फरवरी	राष्ट्रीय कार्यशाला - विषय - 'स्वतंत्र भारत में हिन्दी की विकास यात्रा'
06-19 फरवरी	विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं परिणाम घोषणा
25 फरवरी	समावर्तन संस्कार समारोह

प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

अगस्त	
01	एस. मीनाक्षी सुन्दरम एवं लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस पर व्याख्यान
03	मैथिली शरण गुप्त जयन्ती पर व्याख्यान
07	रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि
08	पी.एल. भटनागर जयन्ती
09	भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी काण्ड पर व्याख्यान
11	खुदीराम बोस बलिदान दिवस पर व्याख्यान
12	डॉ. विक्रम साराभाई जयन्ती एवं अमर शहीद बंधु सिंह बलिदान दिवस पर व्याख्यान
13	भारत विभाजन की पूर्व संध्या (अखण्ड भारत स्मृति दिवस), स्वामी रामकृष्ण परमहंस समाधिस्थ दिवस
15	स्वतंत्रता दिवस/महर्षि अरविन्द जयन्ती
17	मदन लाल धींगड़ा बलिदान दिवस पर व्याख्यान
20	अहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि

24	राजगुरू जयन्ती पर व्याख्यान
25	रासबिहारी बोस पुण्यतिथि पर व्याख्यान
26	रानी पद्मिनी जौहर दिवस पर (जौहर काव्य पाठ)
29	मेजर ध्यानचन्द जयन्ती (राष्ट्रीय खेल दिवस) एवं दधीचि जयन्ती पर व्याख्यान
30	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती
सितम्बर	
04	एम.के. चन्द्रशेखरन एवं दादाभाई नौरोजी जयन्ती
05	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती (शिक्षक दिवस) पर व्याख्यान
08	विश्व साक्षरता दिवस पर व्याख्यान
10	गोविन्द बल्लभ पंत एवं आचार्य विनोबाभावे जयन्ती
11	महादेवी वर्मा पुण्यतिथि
13	यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस पर व्याख्यान
14	महादेवी वर्मा जयन्ती
15	मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जयन्ती (इन्जीनियर्स डे) पर व्याख्यान
16	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
17	विश्वकर्मा पूजा
22	गुरू नानक देव पुण्यतिथि पर व्याख्यान
25	सतीश धवन एवं दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर व्याख्यान
27	राजा राममोहन राय पुण्यतिथि एवं राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर व्याख्यान
28	सरदार भगत सिंह जयन्ती
29	ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती, सुमित्रानन्दन पंत स्मृति दिवस
अक्टूबर	
02	गाँधी जयन्ती, लाल बहादुर शास्त्री जयंती
05	वाल्मीकि जयन्ती
08	जी.एन. रामचन्द्रन एवं वायुसेना स्थापना दिवस, मुंशी प्रेमचंद स्मृति दिवस
11	हरीश चन्द्र एवं जय प्रकाश नारायण जयन्ती पर व्याख्यान
12	डॉ. राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि पर व्याख्यान
14	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती की पूर्वसंध्या पर व्याख्यान
17	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती
19	स्वामी महावीर एवं स्वामी दयानन्द सरस्वती परिनिर्वाण दिवस
21	आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस
22	एस. चावला जयन्ती

24	संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस पर व्याख्यान
27	जतीन्द्र नाथ दास जयन्ती पर व्याख्यान
28	गुरू गोविन्द सिंह पुण्यतिथि
30	होमी जहाँगीर भाभा एवं कालिदास जयन्ती पर व्याख्यान
31	सरदार बल्लभभाई पटेल जयन्ती एवं श्रीमती इंदिरा गांधी पुण्यतिथि पर व्याख्यान
नवम्बर	
04	गुरूनानक जयन्ती एवं वासुदेव बलवंत फड़के जयन्ती की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
06	महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती पर व्याख्यान
07	विपिन चन्द्र पाल एवं सी.बी. रमन जयन्ती पर व्याख्यान
12	मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
13	के.जी. रामनाथन जयन्ती
15	आचार्य विनोबा भावे की पुण्यतिथि पर व्याख्यान
16	राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर व्याख्यान
17	लाला लाजपत राय बलिदान दिवस
19	रानी लक्ष्मी बाई जयन्ती पर व्याख्यान
21	महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि पर व्याख्यान
23	जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती पर व्याख्यान
24	गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस पर व्याख्यान
26	राष्ट्रीय संविधान दिवस पर व्याख्या
दिसम्बर	
02	राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर व्याख्यान
03	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती पर व्याख्यान
05	महर्षि अरविन्द पुण्यतिथि
06	डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि पर व्याख्यान
11	बिरसा मुण्डा जयन्ती पर व्याख्यान
14	बीर छत्रसाल पुण्यतिथि एवं राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर व्याख्यान
17	डॉ. रोशन सिंह एवं राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
19	रामप्रसाद बिस्मिल्ल एवं अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस पर व्याख्यान
22	एस. रामानुजन, राष्ट्रीय गणित दिवस एवं चौधरी चरण सिंह जयन्ती (किसान दिवस) पर व्याख्यान
25	पं. मदन मोहन मालवीय जयन्ती
26	फतेह सिंह एवं जोरावर सिंह बलिदान दिवस पर व्याख्यान
30	महर्षि रमण जयन्ती पर व्याख्यान

जनवरी	
01	शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस पर व्याख्यान
05	गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती पर व्याख्यान
09	हर गोविन्द खुराना जयन्ती
12	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती पर व्याख्यान
19	महाराणा प्रताप स्मृति दिवस पर व्याख्यान
23	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पर व्याख्यान
25	राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर व्याख्यान
27	लाला लाजपत राय जयन्ती पर व्याख्यान
30	महात्मा गाँधी पुण्यतिथि पर व्याख्यान

खण्ड दो : विभागीय - कार्यक्रम

1. गणित विभाग

विशेष व्याख्यान - गणित विभाग द्वारा सत्र 2017-18 में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा, जो छात्र-छात्राओं के विषय-वस्तु पर आधारित होगा, इस विशेष व्याख्यान में विभाग निम्नलिखित विषय विशेषज्ञ को अपने विभाग में आमंत्रित करेगा।

डॉ. बी.एन. प्रसाद	पूर्व विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, एम.जी.पी.जी. कालेज	16 सितम्बर
डॉ. ए.पी. श्रीवास्तव	पूर्व विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, एम.जी.पी.जी. कालेज	10 नवम्बर
डॉ. यू.के. गुप्ता	विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, एम.जी.पी.जी. कालेज	14 दिसम्बर
डॉ. एस.एम. त्रिपाठी	सहायक आचार्य, गणित विभाग, बी.बी.डी. विश्वविद्यालय	20 दिसम्बर
डॉ. आकाश पाण्डेय	सहायक आचार्य, एम.जी.पी.जी कालेज	21 दिसम्बर
डॉ. के.बी. गुप्ता	विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज	22 दिसम्बर
डॉ. जे.पी. विश्वकर्मा	पूर्व विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि.,गो.	05 जनवरी
प्रो. विजय कुमार	आचार्य, गणित विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि., गो.	29 जनवरी

2. सांख्यिकी विभाग

विशेष व्याख्यान - सांख्यिकी विभाग द्वारा सत्र 2017-18 में विशेष व्याख्यान एवं पावर प्वाइंट प्रतियोगिता आयोजित करेगा, विशेष व्याख्यान में विभाग निम्नलिखित विषय विशेषज्ञ को अपने विभाग में आमंत्रित करेगा।

प्रो. आर.एस. श्रीवास्तव	पूर्व अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि., गो.	15 सितम्बर
डॉ. एस.पी. सिंह	सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग, बी.बी.डी. विश्वविद्यालय	11 नवम्बर
प्रो. उमा श्रीवास्तव	अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, एम.जी.पी.जी. कालेज	13 दिसम्बर
प्रो. हिमांशु पाण्डेय	पूर्व विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, एम.जी.पी.जी. कालेज	04 जनवरी
प्रो. विजय कुमार	आचार्य, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि., गो.	29 जनवरी

3. वाणिज्य विभाग

26.09.2017	(मंगलवार)	विशिष्ट व्याख्यान
03.10.2017	(मंगलवार)	विशिष्ट व्याख्यान
06.10.2017	(शुक्रवार)	विशिष्ट व्याख्यान
14.10.2017	(शनिवार)	व्यापार मेला
17.11.2017	(शुक्रवार)	कार्यशाला
27.12.2017–28.12.2017		शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

4. समाजशास्त्र विभाग

अभिगृहीत ग्राम भ्रमण – 30 जुलाई, 2017
– 05 अक्टूबर, 2017
– 04 फरवरी, 2017

विशेष व्याख्यान – 11 अक्टूबर, 2017
– 14 नवम्बर, 2017
– 23 दिसम्बर 2017

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता 26 व 27 दिसम्बर
एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 03 फरवरी

5. भौतिकी विभाग

28 अक्टूबर, 2017 – पोस्टर प्रतियोगिता
17 नवम्बर, 2017 – विज्ञान प्रदर्शनी
28 नवम्बर, 2017 – शोध व्याख्यान प्रतियोगिता
13 दिसम्बर, 2017 – विज्ञान प्रश्नोत्तरी

6. राजनीतिशास्त्र विभाग

27 जुलाई, 2017 – संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति की भूमिका पर व्याख्यान
17 अगस्त, 2017 – अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाएं, वर्तमान परिदृश्य में विषय पर व्याख्यान
18 सितम्बर, 2017 – कार्यशाला
30 अक्टूबर, 2017 – ''स्वतंत्र भारत का प्रगति पथ: पटेल एवं पं. नेहरू की दृष्टि में'' विषय पर व्याख्यान
21 नवम्बर 2017 – छात्र शोध व्याख्यान प्रतियोगिता
19 दिसम्बर, 2017 – जम्मू कश्मीर में आतंवाद और अनुच्छेद 370

राष्ट्रीय संगोष्ठी : 15 अगस्त से पूर्व दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार हेतु प्रस्ताविकी यू.जी.सी. को भेजी जायेगी।

7. वनस्पति विज्ञान विभाग

16 सितम्बर, 2017 – विशिष्ट व्याख्यान
7 अक्टूबर, 2017 – शोध व्याख्यान प्रतियोगिता
24 सितम्बर, 2017 – पोस्टर प्रतियोगिता
25 नवम्बर, 2017 – विज्ञान प्रदर्शनी
16 दिसम्बर, 2017 – विशिष्ट व्याख्यान
3 फरवरी, 2018 सेमीनार

8. रसायन विज्ञान विभाग

30 जुलाई, 2017 – अभिगृहीत गाँव (रामपुर) का भ्रमण
27 सितम्बर, 2017 – विशिष्ट व्याख्यान
05 अक्टूबर, 2017 – अभिगृहीत गाँव (रामपुर) में शिविर
09 अक्टूबर, 2017 – व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)
11 नवम्बर, 2077 – व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातक स्तर)
29 नवम्बर, 2017 – एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
30 जनवरी, 2018 – विशिष्ट व्याख्यान
04 फरवरी, 2018 – अभिगृहीत गाँव (रामपुर) में शिविर

9. मनोविज्ञान विभाग

13 सितम्बर – अतिथि व्याख्यान
18 दिसम्बर – कार्यशाला
09 जनवरी – अतिथि व्याख्यान, व्याख्यान प्रतियोगिता

10. भूगोल विभाग

30 अक्टूबर, 2017 – विशिष्ट व्याख्यान

01 जनवरी, 2018 – सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण (बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्राओं द्वारा)

17 जनवरी, 2018 – विशिष्ट व्याख्यान

18 जनवरी, 2018 – पोस्टर प्रतियोगिता

18-19 जनवरी, 2018 – महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार

24 जनवरी, 2018 से 02 फरवरी, 2018 – शैक्षिक परिभ्रमण

11. रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग

विशेष व्याख्यान – 05 अगस्त, 2017

– 24 अक्टूबर, 2017

– 13 नवम्बर, 2017

– 16 दिसम्बर, 2017

रक्षा प्रदर्शनी प्रतियोगिता – 09 जनवरी, 2017

12. गृह विज्ञान विभाग

- कार्यशाला-महिला उद्यमिता विकास पर सप्तदिवसीय कार्यशाला-''निर्माण''। (9 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक)
- आख्यान (गृहविज्ञान के बढ़ते आयाम) विषय पर दिनांक 11.11.2017 को।
- दिनांक 18 नवम्बर 2017 की पाठ कला प्रतियोगिता।
- कार्यशाला-खाद्यान एवं फल संरक्षण विषय पर दिनांक 11 दिसम्बर से 17 दिसम्बर तक सप्त दिवसीय कार्यशाला।
- 12 दिसम्बर-शैक्षिक भ्रमण।
- 20 जनवरी 2018 को शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- 24 जनवरी 2018 को पाक कला प्रतियोगिता।

13. इतिहास विभाग

19 जनवरी – विशिष्ट व्याख्यान

27 जनवरी – व्याख्यान प्रतियोगिता

14. प्राणि विज्ञान विभाग

23 सितम्बर 2017 – विशिष्ट व्याख्यान

13 अक्टूबर 2017 – विशिष्ट व्याख्यान

27 नवम्बर 2017 – शोध व्याख्यान

15 दिसम्बर 2017 – विज्ञान प्रदर्शनी

15. हिन्दी विभाग

29 अगस्त 2017 – विशिष्ट व्याख्यान

14 सितम्बर 2017 – हिन्दी दिवस-विशिष्ट व्याख्यान

14 नवम्बर 2017 – कार्यशाला

16 नवम्बर 2017 – हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

20 नवम्बर 2017 – हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

29 दिसम्बर 2017 – हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता

10 जनवरी 2018 – शैक्षिक भ्रमण

29 जनवरी 2018 – विशिष्ट व्याख्यान

03-04 फरवरी 2018 – दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

16. Dept. of English Literature

22nd Sept. 2017 – Guest Lecture

25th Sept. 2017 – Extempore

10th Oct. 2017 – Essay Competition

13th Nov. 2017 – Guest Lecture

16th Nov. 2017 – Story-Writing Competition

21st Nov. –2017 – Elocution

05th - 06th Dec. 2017 – Workshop

20th Dec. 2017 – Guest Lecture

23rd Dec. 2017 – Drama Presentation competition

10th Jan. 2018 – Lecture-Competition

17. अर्थशास्त्र विभाग

16 अक्टूबर – विशिष्ट व्याख्यान

18. बी.एड. विभाग

05 सितम्बर 2017	विशिष्ट व्याख्यान	24 अक्टूबर 2017	शैक्षिक प्रदर्शनी
12 सितम्बर 2017	क्राफ्ट प्रदर्शनी	16 दिसम्बर 2017	कार्यशाला
22–23 सितम्बर 2017	योग कार्यशाला	01 फरवरी 2017	विशिष्ट व्याख्यान
14 अक्टूबर 2017	विशिष्ट व्याख्यान	02 फरवरी 2017	विशिष्ट व्याख्यान

19. प्राचीन इतिहास विभाग

25 अगस्त 2017	विशिष्ट व्याख्यान	डॉ. महेश कुमार शरण
16 सितम्बर 2017	राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रतिष्ठित इतिहासविद्
25 सितम्बर 2017	विशिष्ट व्याख्यान	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
10 अक्टूबर 2017	विशिष्ट व्याख्यान	डॉ. विजय कुमार चौधरी
17 नवम्बर 2017	विशिष्ट व्याख्यान	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
19 दिसम्बर 2017	शैक्षणिक भ्रमण	स्थान: राजकीय बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर
27 जनवरी 2018	व्याख्यान प्रतियोगिता	

खण्ड–3 : क्रीड़ा विभाग

11 सितम्बर 2017	–	शतरंज प्रतियोगिता (व्यक्तिगत प्रतियोगिता)
04 अक्टूबर 2017	–	कैरम प्रतियोगिता (व्यक्तिगत प्रतियोगिता)
15 नवम्बर 2017	–	वालीबाल प्रतियोगिता (अंतर संकाय प्रतियोगिता)
16. नवम्बर 2017	–	कबड्डी प्रतियोगिता संस्थापक सप्ताह समारोह
24 से 26 दिसम्बर 2017	–	क्रिकेट प्रतियोगिता (अंतर संकाय प्रतियोगिता)
23 जनवरी 2018	–	बैडमिण्टन प्रतियोगिता (अंतर संकाय प्रतियोगिता) भारत–भारती पखवारा
21 से 22 जनवरी 2018	–	वार्षिक क्रीड़ा समारोह, उद्घाटन समारोह, समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण

खण्ड–4 : राष्ट्रीय सेवा योजना

04 जुलाई 2017	–	स्वामी विवेकानन्द स्मृति दिवस पर व्याख्यान एवं पौधारोपण कार्यक्रम
27 जुलाई 2017	–	डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस पर व्याख्यान
15 अगस्त 2017	–	स्वतंत्रता दिवस समारोह
19 अगस्त 2017	–	स्वैच्छिक श्रमदान का उद्घाटन
26 अगस्त 2017	–	स्वैच्छिक श्रमदान
02 सितम्बर 2017	–	स्वैच्छिक श्रमदान
08 सितम्बर 2017	–	विश्व साक्षरता दिवस पर व्याख्यान एवं आदर्श ग्राम (मंझरिया) में साक्षरता रैली

09 सितम्बर 2017	– स्वैच्छिक श्रमदान
16 सितम्बर 2017	– विश्व ओजोन दिवस पर व्याख्यान
21 सितम्बर 2017	– महाराजा अग्रसेन जयंती पर व्याख्यान
23 सितम्बर 2017	– स्वैच्छिक श्रमदान (माल एवं सेवाकर पर व्याख्यान)
24 सितम्बर 2017	– राष्ट्रीय सेचा योजना स्थापना दिवस पर कार्यक्रम
02 अक्टूबर 2017	– गांधी जी एवं लालबहादुर शास्त्री जयंती समारोह
05 अक्टूबर 2017	– महर्षि वाल्मीकि जयंती पर व्याख्यान
07 अक्टूबर 2017	– वायुसेना दिवस की पूर्वसंध्या पर व्याख्यान एवं मुंशी प्रेमचन्द्र जयंती पर निबंध प्रतियोगिता
11 अक्टूबर 2017	– जयप्रकाश नारायण जयंती पर व्याख्यान
24 अक्टूबर 2017	– संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस पर व्याख्यान एवं भाषण प्रतियोगिता
31 अक्टूबर 2017	– सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती पर व्याख्यान
05 नवम्बर 2017	– प्रथम एक दिवसीय शिविर
11 नवम्बर 2017	– स्वैच्छिक श्रमदान एवं पं. मदन मोहन मालवीय जी की पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर निबन्ध प्रतियोगिता
15 नवम्बर 2017	– आदर्श गांव (मंझरिया) में ''संक्रामक बिमारियों से बचाव के उपाय'' के लिए जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक
18 नवम्बर 2017	– राष्ट्रीय एकीकरण दिवस पर ''जातिवाद सामाजिक एकता के लिए जहर है'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता
21 नवम्बर 2017	– महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्य तिथि पर 'सामाजिक सद्भाव कैसे बनें' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता
24 नवम्बर 2017	– गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस पर व्याख्यान
26 नवम्बर 2017	– द्वितीय एक दिवसीय शिविर
01 दिसम्बर 2017	– विश्व एड्स दिवस पर जनजागरण रैली आदर्श गांव (मंझरिया) में
06 दिसम्बर 2017	– डॉ. बी.आर. अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम
21 दिसम्बर 2017	– 'भारत में नक्सलवादी हिंसा एक गम्भीर चुनौती है' विषय पर भाषण प्रतियोगिता।
03 जनवरी 2018	– आदर्श गांव (मंझरिया) में नशा उन्मूलन पर जन जागरूकता रैली।
09 जनवरी 2018	– 'विविधता में एकता भारत की विशेषता है' विषय पर निबंध प्रतियोगिता।
12-26 जनवरी 2018	– भारत-भारती पखवारा (स्वामी विवेकानन्द जयंती से गणतंत्रता दिवस समारोह तक)
12 जनवरी 2018	– स्वामी विवेकानन्द जयंती (उद्घाटन समारोह)
13 जनवरी 2018	– काव्य पाठ
14 जनवरी 2018	– गुरु श्री गोरक्षनाथ मंदिर में सेवा कार्य
15 जनवरी 2018	– पर्यावरण सुरक्षा एवं जल संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता।

16 जनवरी 2018 – स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत पर जनजागरण रैली
17 जनवरी 2018 – युवाओं में कौशल विकास की महत्ता एवं उपयोगिता पर कार्यशाला
18 जनवरी 2018 – आपदा प्रबन्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
19 जनवरी 2018 – महाराणा प्रताप पुण्य तिथि समारोह
20 जनवरी 2018 – साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
23 जनवरी 2018 – नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयंती समारोह पर व्याख्यान
24 जनवरी 2018 – आदर्श गांव (मंझरिया) में मतदाता जागरूकता के लिए रैली।
25 जनवरी 2018 – मतदाता दिवस पर 'मतदान लोकतंत्र का आधार है' विषय पर व्याख्यान।
26 जनवरी 2018 – गणतंत्रता दिवस समारोह
04 फरवरी 2018 – तृतीय एक दिवसीय शिविर
20–26 फरवरी 2018 – सप्तदिवसीय विशेष शिविर
05 मार्च 2018 – चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

खण्ड-5 : अवकाश सूची

क्र.सं.	त्योहार का नाम	घोषित दिन	दिनांक	दिन
1.	नाग पंचमी	01	28 जुलाई, 2017	शुक्रवार
2.	रक्षा बंधन	01	07 अगस्त, 2017	सोमवार
3.	श्री कृष्ण जन्माष्टमी	01	15 अगस्त, 2017	मंगलवार
4.	इदुज्जुहां (बकरीद)	01	02 सितम्बर, 2017	शनिवार
5.	अनन्त चतुर्दशी	01	05 सितम्बर, 2016	मंगलवार
6.	पितृ विसर्जन	01	20 सितम्बर, 2017	बुधावार
7.	दशहरा	03	28–30 सितम्बर, 2017	गुरुवार–ज़निवार
8.	मोहर्रम	01	01 अक्टूबर, 2017	रविवार
9.	दीपावली	03	17–19 अक्टूबर, 2017	मंगलवार–गुरूवार
10.	गोवर्धन पूजा	01	20 अक्टूबर, 2017	शुक्रवार
11.	भैयादूज (यम द्वितीय)/ चित्रगुप्त पूजा	01	21 अक्टूबर, 2017	शनिवार
12.	कार्तिक पूर्णिमा/गुरूनानक जयंती	01	04 नवम्बर, 2017	शनिवार
13.	चेहल्लुम	01	09 नवम्बर, 2017	गुरुवार
14.	क्रिसमस दिवस	01	25 दिसम्बर, 2017	सोमवार
15.	मकर संक्रान्ति	02	13–15 जनवरी, 2018	शनिवार–सोमवार
16.	महाशिरात्रि	01	13 फरवरी, 2018	मंगलवार
17.	होली	01	28–03 मार्च, 2018	बुधवार–शनिवार
18.	रामनवमी	01	25 मार्च, 2018	रविवार

2. **दायित्त्वसह कार्य विभाजन** - परम्परागत रूप से कार्य विभाजन में निम्न तीन विधियाँ अपनायी गई।

(क) शिक्षक स्वयं से अपना कार्य चुनकर अपने को प्रभारी घोषित कर दें।

(ख) कोई शिक्षक किसी कार्य हेतु किसी भी अन्य शिक्षक का नाम प्रस्तावित कर दें।

(ग) प्राचार्य द्वारा किसी कार्य हेतु किसी को प्रभारी बना दिया जाय।

वर्तमान सत्र में अधिकांश शिक्षकों ने अपनी रूचि के अनुसार स्वयं अपना दायित्व चुना, कुछ का नाम अन्यों द्वारा प्रस्तावित किए जाने पर सम्बन्धित शिक्षक की सहमति पर दायित्व निर्धारित हुए तो अन्त में कुछ कार्य/दायित्व प्राचार्य द्वारा दे दिए गए। बैठक में निम्नवत दायित्व निर्धारित किया गया-

महाविद्यालय प्रशासन

डॉ. प्रदीप कुमार राव	कार्यालय, आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ, छात्रावास, संयुक्त विद्यार्थी विकास योजना
डॉ. विजय कुमार चौधरी	संयोजक- प्रवेश समिति, परीक्षा समिति, शिक्षक गुणवत्ता, संयोजक संस्थापक सप्ताह समारोह (04-10 दिसम्बर)
डॉ. आर.एन. सिंह	मुख्य नियंता
श्री मृत्युन्जय कुमार सिंह	प्रशासक, क्रीड़ा, संयोजक संस्थापक सप्ताह समारोह (15-23 नवम्बर), रख-रखाव
श्री सुबोध कुमार मिश्र	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, संयोजक साप्ताहिक स्मृति व्याख्यानमाला (17-23 अगस्त), सदस्य प्रशासनिक समिति, क्रीड़ा समिति
श्री विनय कुमार सिंह	स्वच्छता, सदस्य प्रशासनिक समिति, क्रीड़ा समिति
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	आदर्श ग्राम योजना, पुण्य तिथि समारोह (गोरखनाथ मॉदिर), समावतर्न संस्कार समारोह, सदस्य प्रवेश समिति, परीक्षा विभाग, महाविद्यालय वेबसाइट, राष्ट्रीय सेवा योजना
डॉ. शिवकुमार वर्नवाल	प्रयोगशाला, सदस्य प्रवेश समिति, परीक्षा समिति
डॉ. रमाकान्त दूबे	पुस्तकालय
श्री वागीश राज पाण्डेय	सोशल मीडिया
सुश्री दीप्ती गुप्ता	प्रार्थना सभा, सांस्कृतिक कार्यक्रम
श्री नन्दन शर्मा	छात्रसंघ/पुरातन छात्र परिषद्, सदस्य प्रशासनिक समिति, क्रीड़ा समिति
सुश्री मनीता सिंह	छात्रा समिति
डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह	छात्रवृत्ति एवं छात्र सहायता
डॉ सुभाष कुमार गुप्ता	सहायक ई.पी.एफ.
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	बागवानी
श्री नवनीत कुमार सिंह	पुस्तकालय एवं सदस्य अनुशासन समिति
श्री प्रकाश प्रियदर्शी	सूचना एवं जनसम्पर्क

डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र	सूचना एवं परामर्श, सदस्य प्रशासनिक समिति, क्रीड़ा समिति
डॉ. कृष्ण कुमार	शोध परियोजना एवं अध्ययन, एन.सी.सी.
डॉ. प्रवीन्द्र कुमार	संस्थागत सामाजिक दायित्व
डॉ. यशवन्त कुमार राव	राष्ट्रीय सेवा योजना
श्रीमती कविता मन्ध्यान	संयोजक स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम, भारत-भारती पखवारा, विभागीय रपट, एन.सी.सी. महिला विंग, सदस्य क्रीड़ा समिति
श्रीमती कमलावती प्रजापति	सिलाई-कढ़ाई (प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम)
श्री विरेन्द्र तिवारी	कम्प्यूटर प्रशिक्षण (प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम)
श्रीमती शिप्रा सिंह	जीवन मूल्य (प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम), हमारे महापुरुष (प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम)
श्री सत्य प्रकाश सिंह	प्राथमिक विद्यालय, कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़
श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापति	प्राथमिक विद्यालय, कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़
डॉ. अरुन कुमार राव	ई.पी.एफ.
डॉ. राम सहाय	शिक्षक अभिभावक समिति
श्री प्रदीप कुमार वर्मा	अतिथि एवं जलपान, प्रोजेक्टर कक्षाएं
श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	सदस्य प्रवेश समिति, परीक्षा विभाग
श्री मंजेश्वर	सदस्य प्रवेश समिति, परीक्षा विभाग
डॉ राजेश शुक्ल	सदस्य प्रवेश समिति, परीक्षा विभाग
श्री अभिषेक वर्मा	सदस्य अनुशासन समिति
डॉ संजय कुमार तिवारी	सदस्य अनुशासन समिति, प्रशासनिक समिति, क्रीड़ा समिति
श्री संजय जायसवाल	सदस्य अनुशासन समिति
सुश्री आम्रपाली वर्मा	सदस्य अनुशासन समिति
सुश्री प्रियंका मिश्रा	सदस्य अनुशासन समिति
डॉ कुसुमलता सिंह	सदस्य अनुशासन समिति
श्री नवनीत कुमार सिंह	सदस्य अनुशासन समिति
डॉ अभिषेक सिंह	सदस्य प्रशासनिक समिति, अनुशासन समिति, क्रीड़ा समिति
सुश्री प्रगति पाण्डेय	ध्येय पथ
सुश्री श्वेता चौबे	ध्येय पथ
डॉ. आरती सिंह	सदस्य अनुशासन समिति
श्री प्रखर वैभव सिंह	सदस्य अनुशासन समिति
श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव	सदस्य अनुशासन समिति
श्रीमती पुष्पा निषाद	सदस्य अनुशासन समिति
सुश्री हिमान्द्री सिंह	सदस्य अनुशासन समिति
श्री प्रतीक दास	सदस्य पुस्तकालय समिति
श्रीमती विभा सिंह	सदस्य सांस्कृतिक समिति

3. **प्रवेश एवं परीक्षा** – प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। प्रवेश के सन्दर्भ में गत मार्च के सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की पुनः पुष्टि की गई। 14 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर 15 जुलाई से परम्परागत निर्णयानुसार कक्षाएँ संचालित करने का निर्णय लिया गया। पूर्ववत परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

   प्रवेश हेतु साक्षात्कार की पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार छात्र प्रवेश परामर्श समिति द्वारा साक्षात्कार लिए जाने की योजना को और प्रभावी बनाने हेतु समिति में विद्यार्थियों के साथ एक शिक्षक भी जोड़ दिया गया। यह निर्णय लिया गया कि छात्र प्रवेश परामर्श समिति के समक्ष साक्षात्कार के बाद ही प्रवेशार्थी शिक्षक प्रवेश समिति के समक्ष साक्षात्कार हेतु उपस्थित होगा। दोनों समितियों द्वारा साक्षात्कार के आधार पर संस्तुत किए गए विद्यार्थी का ही प्रवेश संयोजक/प्राचार्य द्वारा लिया जाएगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को समय-सारणी, परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड, छात्रवृत्ति फार्म उपलब्ध करा दिया जाएगा।

4. **समय-सारणी, पठन-पाठन**- डॉ. विजय कुमार चौधरी एवं डॉ. शिवकुमार बर्नवाल द्वारा समय-सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व छपा लिया जाएगा। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आयी कठिनाइयों का निवारण अवश्य कर लिया जाय।

   नव प्रवेशित विद्यार्थियों के अतिरिक्त सभी कक्षाएँ 15 जुलाई से तथा नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएँ 17 जुलाई से प्रारम्भ होगी। पठन-पाठन के सभी मौलिक प्रयोग जारी रहेंगें।

5. **पुस्तकालय-वाचनालय**- प्रभारी पुस्तकालय द्वारा स्टाक-वेरिफिकेशन पूर्ण होने की सूचना दी गई। प्रभारी द्वारा बताया गया कि पुस्तकालय नए सत्र के लिए नए पाठ्यक्रमों/नए प्रकाशनों/आवश्यकतानुसार अन्य आवश्यक पुस्तकों के साथ अद्यतन कर किया गया है। वाचनालय में 100 विद्यार्थियों के एक साथ बैठकर पढ़ने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। प्रभारी द्वारा अनुशासन एवं सुरक्षा की दृष्टि से पुस्तकालय-वाचनालय में सी.सी. कैमरा आवश्यक बताया गया। निर्णय हुआ कि पुस्तकालय-वाचनालय गत सत्रों की तरह चलाया जाय। पुस्तकालय में यदि कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं है, जिसकी आवश्यकता किसी छात्र-शिक्षक को है, तो वह छात्र-शिक्षक पुस्तक बाजार से महाविद्यालय के नाम बिल पर क्रय पर पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से पुस्तक पुस्तकालय में चढ़वाकर उसका नकद मूल्य प्राप्त कर अपने नाम जारी करा सकता है।

6. **प्रयोगशाला**- प्रयोगशालाएँ अद्यतन रखी जाय। उनमें स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की गई। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक दवाएँ एवं प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला में दो बार सामग्री क्रय की जाय। एक बार सितम्बर में तथा दूसरी बार जनवरी-फरवरी में। प्रत्येक प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार अद्यतन तकनीकों का प्रयोग बढ़ाया जाय। इस सत्र में भौतिकी, इलेक्ट्रानिक्स, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रक्षा अध्ययन में कुछ नवीन उपकरण क्रय किए जाने पर आम सहमति बनी। इस सन्दर्भ में शिक्षकों-विद्यार्थियों की संयुक्त क्रय-समिति द्वारा माँग पत्र पर ही कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ जिससे कि प्रबन्ध समिति/प्रबन्धक महोदय से स्वीकृति लेकर

उपकरण क्रय किए जा सकें। यह निर्णय भी हुआ कि प्रयोगशालाओं में कुछ उपकरण छात्रसंघ भी अपने मद से क्रय करे, इस दिशा में भी प्रयत्न किए जाएँ।

7. **कक्षाध्यापन में नए प्रयोग**- कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, नक्शा, माडल इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। प्रोजेक्टर युक्त कक्षाओं की संख्या बढ़ायी जाएगी। कुछ विषयों में शिक्षक अपने-अपने मौलिक प्रयोग करेंगे। समाजशास्त्र में इस सत्र में श्री प्रकाश प्रियदर्शी जी द्वारा एक प्रयोग प्रारम्भ होगा- द्वितीय-तृतीय वर्ष में चुने हुए पाँच छात्र अगले दिन के व्याख्यान का सारांश बनाकर तथा पढ़कर आएगें। प्रारम्भ कोई एक छात्र करेगा, फिर शिक्षक द्वारा पढ़ाया जाएगा।

8. **विभागीय कार्य योजना**- योजना बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग अपने विभाग की वार्षिक कार्य-योजना बनाए। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखते हुए बनायी जायेगी। विभागीय रपट नैक मूल्यांकन के अनुरूप अद्यतन रखी जायेगी। विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा अद्यतन किया जाता रहे। विद्यार्थियों की प्रगति-रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन किया जाय। प्रगति-रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा, तदोपरान्त उनके बारे में अपने प्रयत्न की रूपरेखा बनायी जायेगी।

विभाग द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थी का पूर्ण विवरण एवं शिक्षक के प्रयत्न से उनमें गुणात्मक सुधार का तथ्यात्मक विवरण रखा जाएगा। गोद लिए गए विद्यार्थियों के विकास की स्पष्ट योजना बनायी जायेगी। विभागीय पुस्तकालय, प्रयोगशाला का अनवरत विकास किया जाएगा।

9. **विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा**- महाविद्यालय में पठन-पाठन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से लागू मौलिक प्रयोगों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन प्रयोगों/योजनाओं के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं परिणाम के आधार पर वर्तमान-सत्र में उसे लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख प्रयोगों/योजनाओं के सन्दर्भ में निम्नवत निर्णय लिया गया-

(क) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन

उद्देश्य - विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास। प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना।

कार्यपद्धति - सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात कक्षाध्यापन से लगभग 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा उनका विषय कक्षा में तय कर घोषित कर दिया जाय। अध्यापक उन विद्यार्थियों की कक्षा के बाहर तैयारी कराए। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर अध्यापन कराया जाय। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा ने हो जाय। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का विवरण शिक्षक द्वारा उन्हें पूर्णांक 10 अंक में अंक देने के साथ रखा जाएगा।

उक्त उद्देश्य एवं कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। अधिकांश शिक्षकों द्वारा इस योजना का प्रामाणिक विवरण

न होने से परिणाम का स्पष्ट चित्र नहीं उभर सका। वर्तमान सत्र में इस योजना का परिणाम सुनिश्चित किया जाएगा।

(ख) **सारांश** – विद्यार्थियों को प्रति कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति इस सत्र में नहीं दी जाएगी। शिक्षक व्याख्यान के प्रमुख शीर्षक-उपशीर्षक सारांश के रूप में बोर्ड पर लिखकर अथवा प्रोजेक्टर से प्रस्तुत करेंगे।

(ग) **साप्ताहिक स्वैच्छित श्रमदान-**

उद्देश्य- इस योजना का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, शिक्षकों-कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा-बड़ा नहीं, सभी कार्यों का अपने-अपने सन्दर्भ में समान महत्त्व सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करना। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में आत्म-सम्मान का भाव पैदा करना तथा उन्हें यह एहसास कराना कि जो कार्य वह करते है वह छोटा कार्य नहीं है उसे प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी भी करते है। संस्था के प्रति सभी में अपनापन के भाव को विकसित करना।

कार्यपद्धति- प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाश स्थगित तथ मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 50-50 मिनट का समय घटाकर 40-40 मिनट का कर दिया जाता है। इस प्रकार 60 मिनट अर्थात् एक घंटा (12.10 से 1.10 तक) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का होता है। यह श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान हेतु इच्छुक शिक्षक-कर्मचारी तथा विद्यार्थी पंजीकरण कराते है। पंजीकृत शिक्षकों के नेतृत्व में 10-10 विद्यार्थियों की टोली बनायी जाती है। प्रत्येक टोली के श्रमदान का स्थान-कार्य शुक्रवार को प्रभारी द्वारा टोली प्रभारी को दे दिया जाता है। टोली प्रभारी के नेतृत्व में शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान के पश्चात उपस्थिति सदस्य टोली प्रभारी के पास उपलब्ध कराये गए उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर कर देते है। प्रत्येक माह के अन्त में यह उपस्थित पत्र राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में जमा कर दिया जाता है। यह योजना यथावत वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

(घ) **प्रार्थना सभा**- प्रार्थना सभा में निम्न परिवर्तन किए जाएंगे-प्रार्थना सभा वाद्ययन्त्र के साथ होगा। वन्देमातरम् चार पैरा के स्थान पर प्रथम दो पैरा का गायन होगा। प्रार्थना सभा फर्श पर बैठकर कराया जायेगा। प्रार्थना सभा में प्रतिदिन कोई न कोई एक प्राणायाम का अभ्यास कराया जायेगा। प्रार्थना सभा का कुल समय पूर्ववत् 15 मिनट ही होगा।

(ङ) **शिक्षक आचार संहिता**- सत्र 2017-18 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। श्रीमती कविता मन्ध्यान द्वारा यह कहा गया कि शिक्षक के लिए आचार संहिता की आवश्यकता नहीं है। इस पर यह निर्णय लिया गया कि शिक्षक आचार संहिता शिक्षक स्वप्रेरणा से अपने-अपने उपर लागू करेगा। अत: स्वीकृत शिक्षक आचार संहिता की महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर कोई मान्यता नहीं रहेगी। किन्तु शिक्षकों द्वारा का स्वयं द्वारा पालन न करने पर उक्त शिक्षक आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर स्वत: लागू हो जाएगी।

प्रत्येक शिक्षक के लिए अलग-अलग प्रारूप भरकर विद्यार्थी अगले दिन प्राचार्य कार्यालय में/सुझाव पेटिका में जमा कर देता है। इस प्रारूप पर विद्यार्थी के नाम का उल्लेख अथवा उसकी पहचान नही होती। जमा किए गए शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र को प्राचार्य द्वारा स्वयं शिक्षकवार छाटकर अलग किया जाता है। तत्पश्चात प्रत्येक शिक्षक को उसका भरा हुआ प्रारूप प्राचार्य उपलब्ध करा देते हैं। शिक्षक इसे देखकर प्राचार्य को वापस कर देते हैं। इस प्रकार विद्यार्थी द्वारा भरा हुआ शिक्षक प्रतिपुष्टि पत्र मात्र दो लोग देखते है- प्राचार्य और सम्बन्धित शिक्षक। यह योजना पूर्ववत लागू रहेगी।

शिक्षक आचार संहिता 2017-18

- शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों के लिए प्रतिमान बनें।
- समय से पूर्व उपस्थित हों। प्रात: 09:15 पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। 9.20 से पूर्व उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर न होने पर लाल रंग की रेखा खींच दी जायेगी, तत्पश्चात् आने का समय डाल दें, हस्ताक्षर न करें। जाते समय हस्ताक्षर करें तथा समय डालें। तीन दिन विलम्ब होने पर एक दिन आकस्मिक अवकाश मान लिया जायेगा।
- महाविद्यालय परिसर में किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के आसपास अनुशासन की जिम्मेवारी सम्बन्धित शिक्षक की होगी।
- नशा मुक्त परिसर का नियम स्वयं पर लागू करें।
- पाठ्यक्रम योजना का शत-प्रतिशत पालन करें। 10 जुलाई तक पाठ्यक्रम योजना प्राचार्य को उपलब्ध करा दें।
- प्रायोगिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम शत-प्रतिशत पूर्ण हो। प्रायोगिक कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के कक्षावार मोबाइल नम्बर रखें जायें।
- कक्षा में व्याख्यान के साथ सारांश लिखा दिया जाय। प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व पिछले सारांश/व्याख्यान पर प्रश्नोत्तर का समय दें।
- कक्षा में मोबाइल लेकर किसी भी कीमत पर न जाएं।
- प्रति प्रश्नपत्र गत वर्ष के अतिरिक्त कम से कम पांच व्याख्यान प्रोजेक्टर पर अवश्य पढ़ाएं।
- पुस्तकालय की सभी पुस्तकें 2 मई से पूर्व प्रतिवर्ष जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पुस्तकालय की किसी पुस्तक के बकाया होने की दशा में ग्रीष्मावकाश स्वीकृत नहीं होगा।
- महाविद्यालय के किसी प्रकार के आर्थिक आय-व्यय, अग्रिम आदि का समायोजन 20 मार्च तक अवश्य करा लें।
- जो दायित्त्व सौंपा जाय उसे निर्धारित समय से शत-प्रतिशत पूर्ण करें।
- पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हेतु अवकाश एक दिन पूर्व स्वीकृत कराएं। अवकाश स्वीकृत कराए बिना अथवा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित होने पर अवैतनिक अवकाश मान लिया जायेगा।
- बचे हुए आकस्मिक अवकाश आगे के अवकाश में जुड़ते रहेंगे एवं जून तक 18+12=30 अवकाश से अधिक बचे अवकाश का प्रतिदिन के वेतन की दर से नकद भुगतान अगस्त माह में कर दिया जायेगा।

- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन आदि कार्य शिक्षक के स्वाभाविक दायित्व के अन्तर्गत आएगा, उसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा।
- विश्वविद्यालय परीक्षा मानकानुसार/नियमानुसार सम्पन्न कराना शिक्षक का उत्तरदायित्व है। अतः परीक्षा के समय शहर छोड़ते समय सूचना अवश्य दें।
- महाविद्यालय के सभी आयोजनों, कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविरों के उद्घाटन, समापन समारोह आदि में शिक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उचित कारण पर आकस्मिक अवकाश दिया सकता है।

18. महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त आयोजनों/कार्यक्रमों में प्रबन्ध तन्त्र के निर्देशानुसार उपस्थिति एवं सहयोग अनिवार्य होगी।
19. 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, 26 जनवरी को सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर आकस्मिक अवकाश चढ़ेगा। किन्तु ध्वजारोहण में कहीं भी सम्मिलित होने का प्रमाण-पत्र देना होगा।
20. स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक स्वेक्षानुसार प्रतीकात्मक रूप से छात्रों का प्रतिमान बनें। विद्यार्थियों को गोद लेने की योजना को भी शिक्षक स्वेच्छानुसार लागू कर सकते हैं। गोद लिये विद्यार्थियों का विवरण अवश्य रखें।
21. समय-समय पर जारी संशोधनों एवं नये निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

(च) **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र**- विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सन्दर्भ में भरा जाने वाला यह एक प्रारूप है। इस प्रारूप के द्वारा प्रत्येक शिक्षक के कक्षाध्यापन एवं कक्षा में आचरण-व्यवहार पर विद्यार्थी अपना-अपना अभिमत देते है।

उद्देश्य- विद्यार्थियों के अभिमत के आधार पर शिक्षक का व्यक्तित्त्व विकास।

कार्यपद्धति- एक पृष्ठ का छपा हुआ यह प्रारूप प्रत्येक वर्ष में दो बार (सितम्बर-दिसम्बर) विद्यार्थियों को प्राचार्य द्वारा कक्षा में जाकर उपलब्ध कराया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को उतने प्रारूप दिए जाते है जितने शिक्षक उस विद्यार्थी को पढ़ाता है।

(छ) **शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र**- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र शिक्षक द्वारा मासिक भरा जाने वाला प्रारूप है।

उद्देश्य- शिक्षक द्वारा प्रतिमाह निर्धारित प्रारूप के माध्यम से स्वमूल्यांकन कर स्व-विकास करना।

कार्यपद्धति- योजना बैठक में शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रारूप पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रतिवर्ष जारी होता है। शिक्षक द्वारा जुलाई से जनवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरकर अगले माह के प्रथम दो कार्य दिवस के अन्दर प्राचार्य कार्यालय को जमा करना होता है। प्राचार्य द्वारा समीक्षोपरान्त इसे शिक्षक की व्यक्तिगत पत्रावली में लगवा दिया जाता है। यह योजना कार्यालय में प्रभावी हैं तथापि इस योजना का गुणात्मक सकारात्मक प्रभाव शिक्षक के आचरण-व्यवहार में कितना पड़ा यह मूल्यांकन भी शिक्षक इस सत्र में करेंगे।

(ज) **पाठ्यक्रम योजना**- सभी शिक्षकों द्वारा अपने विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनायी जाती है। प्रतिवर्ष 10 जुलाई तक द्वितीय-तृतीय वर्ष एवं 20 जुलाई तक प्रथम

वर्ष की पाठ्यक्रम योजना बनाने की व्यवस्था थी। वर्तमान सत्र में 15 जुलाई तक सभी पाठ्यक्रम योजना बनाने का निर्णय लिया गया।

उद्देश्य- समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना। पाठ्यक्रम का कोई हिस्सा छुटे न, किसी विषय को आवश्यकता से अधिक समय तथा किसी को कम समय मे न पढ़ाना पड़े। व्यवस्थित कक्षाध्यापन। विद्यार्थी को यह पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा।

कार्यपद्धति- अनुभव के आधार पर शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रारूप पर दिनांक, शिक्षक का नाम, विषय, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को 3+2+1 के सिद्धान्त पर तैयार किया जायेगा। अर्थात् प्रथम तीन कार्यदिवस एक प्रश्नपत्र, तत्पश्चात दो कार्य दिवस दूसरा प्रश्न पत्र, महीने के तीन सप्ताह छठवें कार्य दिवस पर छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन तथा माह के अन्तिम सप्ताह के छठवें कार्यदिवस पर मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध होगी।

(झ) **गोद लिए गए विद्यार्थी**- प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच छात्र-छात्राएं गोद लिए जाते हैं। इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है।

उद्देश्य- चिन्हित एवं लक्षित विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

कार्यपद्धति- सत्रारम्भ में शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं से चार-चार विद्यार्थी चुने जाते हैं तथा एक विद्यार्थी प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक को दिया जाता है। शिक्षक द्वारा इन पांचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करता है। वर्तमान सत्र में गोद लिए गए विद्यार्थियों के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना, के स्वयंसेवक, छात्रावासी, कक्षा प्रतिनिधि में से ही छात्र-छात्राएं गोद लिए जाएंगें। एक बार गोद लिया गया विद्यार्थी इस महाविद्यालय में अध्ययनरत रहते हुए उसी शिक्षक के पास बना रहेगा। रिक्त स्थानों पर प्राय: स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जाएगा।

(ञ) **गोद लिए गए गाँव**- प्रत्येक विभाग द्वारा आस-पास के गाँव में से एक गाँव गोद लिया जाता है।

उद्देश्य- आस-पास के गावों के साथ महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन-जागरण।

कार्यपद्धति- प्रत्येक विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव का पूर्ण विवरण विभागीय रपट में उपलब्ध है। गाँव के परिवारों का विवरण, अमीर-गरीब, साक्षर-निरक्षर, रोजगार-बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग इत्यादि का पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (अगस्त का प्रथम रविवार, बाल्मिकी जयन्ती, फरवरी का प्रथम रविवार, परीक्षा के बाद का प्रथम रविवार) गाँव में जाएंगे। इस सत्र की रिपोर्ट अद्यतन किया जाएगा।

(ट) **मासिक मूल्यांकन**- प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षक द्वारा अपने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा के द्वारा कक्षा में मासिक मूल्यांकन किया जाता है।

उद्देश्य- विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु प्रेरित करना। मुख्य परीक्षा के समय विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखना।

कार्यपद्धति- शिक्षकों द्वारा वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर-बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक मूल्यांकन के इन्ही प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी।

10. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम**- महाविद्यालय द्वारा दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम-जीवन मूल्य, हमारे महापुरुष- संचालित किए जाते है।

उद्देश्य- विद्यार्थियों के आचरण-व्यवहार में भारतीय जीवन-मूल्यों का विकास करना। भारतीय संस्कृति के महापुरुषों की लम्बी श्रृंखला से परिचित कराना एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मगौरव एवं श्रद्धा का भाव उत्पन्न करना।

कार्यपद्धति- उक्त दोनो। प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम बी.एड. के लिए अनिवार्य तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्वैच्छिक है। 12.30 से 1.20 तक चलने वाली यह कक्षा सामूहिक परिचर्चा पद्धति से चलायी जाती है। कोई एक शिक्षक इस कक्षा का संचालन करता है। निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत लिखकर घर से लाना होता है।

11. **निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग**- योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग पाठ्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है।

उद्देश्य- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्त्व के अन्तर्गत आस-पास के महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाना।

कार्यपद्धति- महाविद्यालय द्वारा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एक प्रशिक्षिका की नियुक्ति की गई है। अगस्त से जनवरी तक छः माह के इस पाठ्यक्रम की परीक्षा फरवरी माह में होती है। परीक्षा के तत्काल बाद परिणाम घोषित कर दिया जाता है समावर्त्तन संस्कार के अवसर पर उक्त प्रमाण-पत्र प्रशिक्षार्थियों को दिया जाता है। उक्त पाठ्यक्रम भी यथावत चलता रहेगा।

12. **निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण**- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ही 'निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण' पाठ्यक्रम महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

उद्देश्य- आस-पास के गरीब बच्चों/छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान के प्रति जागरूक करना।

कार्यपद्धति- 40-40 प्रशिक्षार्थियों का दो वर्ग इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया जाता है। 15 जून से 30 जून तक 'पहले आओ-पहले पाओ' की नीति पर गाँव का जो भी बच्चा, किसी भी स्कूल की छात्र-छात्राएँ सर्वप्रथम आवेदन करते हैं उनमें से 40 को प्रवेश दिया जाता है। 01 अगस्त से इनकी कम्प्यूटर कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाती है। पुन: 16 अगस्त को इनमें से रिक्त स्थानों के लिए एवं दूसरे 40 के वर्ग का आवेदन लिया जाता है और प्रथमत: आने वालों का पंजीकरण कर दिया जाता है। 3 बजे से 4 बजे तक यह कक्षा कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशाला में चलती है। वर्तमान सत्र में भी यह कक्षा पूर्ववत चलायी जाएगी।

13. **छात्रसंघ**- छात्र संघ का संचालन छात्रसंघ द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार चलेगा। वर्तमान सत्र में छात्र-छात्राओं की मांग पर छात्रसंघ के संविधान में संशोधन पर निर्णय हुआ कि नियमानुसार प्राचार्य की अध्यक्षता में 15 सदस्यीय समिति बनाकर छात्रसंघ संविधान संशोधन पर विचार किया जाय। यदि संशोधन की संस्तुति समिति करती है तो उसे नियमानुसार छात्रसंघ कार्यकारिणी एक छात्रसंघ की साधारण सभा में पारित कराकर लागू किया जायेगा।

14. **क्रीड़ा**- क्रीड़ा प्रभारी/क्रीड़ाध्यापक द्वारा जारी वार्षिक योजना को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

शतरंज प्रतियोगिता	सितम्बर	11.09.2017	क्रिकेट प्रतियोगिता	दिसम्बर	20.12.2017
कैरम प्रतियोगिता	अक्टूबर	04.10.2017	बैडमिण्टन प्रतियोगिता	जनवरी	13.01.2018
कबड्डी प्रतियोगिता	नवम्बर	13.11.2017	वालीबाल प्रतियोगिता	जनवरी	15.01.2018
वालीबाल प्रतियोगिता	नवम्बर	15.11.2017	ऐथलेटिक्स प्रतियोगिता	जनवरी	18.01.2018

15. **राष्ट्रीय सेवा योजना**- राष्ट्रीय सेवा योजना में साक्षात्कार के आधार पर पूर्व की भाँति ही स्वयंसेवकों का चयन किया जाएगा। पूर्ववत सभी प्रकार के आयोजनों/गतिविधियों/कार्यक्रमों के साथ इस सत्र का महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा 'आदर्श ग्राम योजना' योजना का प्रारुप। इस योजना को ग्राम मंझरिया में लागू किया जाएगा।

16. **एन.सी.सी.**- सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि एन.सी.सी. हेतु महाविद्यालय आवेदन करे। बालक वर्ग हेतु डॉ. कृष्ण कुमार तथा बालिका वर्ग हेतु श्रीमती कविता मन्ध्यान की सहमति पर उनका नाम तय कर दिया गया। आवदेन की पूरी कार्यवाही हेतु डॉ. कृष्ण कुमार पाठक अधिकृत कर दिया गए।

17. **वेबसाइट**- महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन रहे तथा आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन-परिवर्तन किया जाए। इस कार्य हेतु डॉ. अविनाश प्रताप सिंह को अधिकृत कर दिया गया।

18. **तकनीकी प्रसार**- महाविद्यालय में कम्प्यूटर, सूचना-सम्प्रेषण तकनीकी (ICT), प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास, वाई-फाई इत्यादि का समुचित संचालन जारी रहेगा। आवश्यकतानुसार इसका प्रसार भी किया जाए।

19. **कार्यालय**- "विद्यार्थी हित सर्वोपरि" नीति केन्द्रित कार्यालय कार्य करेगा। किसी भी विद्यार्थी को अपने किसी कार्य हेतु कार्यालय में दूसरी बार न आना पड़े। प्रथम आगमन पर ही कार्य सुनिश्चित हो। आय-व्यय बैंक की तर्ज पर प्रतिदिन अद्यतन रखा जाय तथा आय-व्यय का हिसाब पूर्ण कर ही कार्यालय बन्द हो। कोई भी कार्य रोका न जाय, उसका त्वरित समाधान हो। कार्यालय की पूरी कार्यपद्धति पारदर्शी होगी।

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	नाम
रसायनशास्त्र	बी.एस-सी. भाग एक	सुश्री श्वेता मिश्रा
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री साक्षी सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	श्री मंजेश गौतम
गणित	बी.एस-सी. भाग एक	श्री शुभम सिंह
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री शिखा सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	गौरव कुमार सिंह
भौतिकी	बी.एस-सी. भाग एक	श्री वैभव गुप्ता
	बी.एस-सी. भाग दो	श्री शुभम
	बी.एस-सी. भाग तीन	श्री अमन कुमार सिंह
प्राणि विज्ञान	बी.एस-सी. भाग एक	श्री विवेक कु. कुशवाहा
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री सुधा सागर
	बी.एस-सी. भाग तीन	सुश्री सुष्मिता प्रजापति
वनस्पति विज्ञान	बी.एस-सी. भाग एक	सुश्री दीपशिखा सिंह
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री आरती सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	सुश्री सुषमा सिंह
इलेक्ट्रानिक्स	बी.एस-सी. भाग एक	श्री केशरी नन्दन पाण्डेय
	बी.एस-सी. भाग दो	श्री बृजेश प्रजापति
	बी.एस-सी. भाग तीन	प्रतिनिधि नहीं
कम्प्यूटर साइंस	बी.एस-सी. भाग एक	सुश्री अंजली चौरसिया
	बी.एस-सी. भाग दो	श्री माधवेन्द्र मिश्र
	बी.एस-सी. भाग तीन	श्री आशुतोष चौहान
सांख्यिकी	बी.एस-सी. भाग एक	श्री शीतांशु रंजन
	बी.एस-सी. भाग दो	श्री नितेश कुमार सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	सुश्री सुनीता निषाद
हिन्दी	बी.ए. भाग एक	सुश्री नीतू यादव
	बी.ए. भाग दो	सुश्री तन्नु यादव
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री नन्दिनी शर्मा
अंग्रेजी	बी.ए. भाग एक	श्री अनिल कुमार यादव
	बी.ए. भाग दो	श्री अमित कुमार शर्मा
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री वर्षा जायसवाल
राजनीतिशास्त्र	बी.ए. भाग एक	श्री शीतल राजभर
	बी.ए. भाग दो	श्री विवेक विश्वकर्मा
	बी.ए. भाग तीन	श्री अविनाश कु. प्रजापति
समाजशास्त्र	बी.ए. भाग एक	सुश्री रिंकी चौहान
	बी.ए. भाग दो	सुश्री शकीना
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री निशा
प्राचीन इतिहास	बी.ए. भाग एक	सुश्री ललिता गुप्ता
	बी.ए. भाग दो	सुश्री ममता गुप्ता
	बी.ए. भाग तीन	श्री अनिल कुमार चौहान
इतिहास	बी.ए. भाग एक	श्री कार्तिकेय मिश्रा
	बी.ए. भाग दो	श्री पंकज कुमार यादव
	बी.ए. भाग तीन	श्री रवि प्रताप नागवंशी
अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग एक	सुश्री गरिमा जायसवाल
	बी.ए. भाग दो	सुश्री करिश्मा कुमारी

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	नाम
अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग तीन	श्री आकाश शर्मा
भूगोल	बी.ए. भाग एक	सुश्री आराधना गौड
	बी.ए. भाग दो	श्री दुर्गेश साहनी
	बी.ए. भाग तीन	श्री प्रियंका गुप्ता
मनोविज्ञान	बी.ए. भाग एक	सुश्री ऐश्वर्या पाण्डेय
	बी.ए. भाग दो	श्री रितु सिंह
	बी.ए. भाग तीन	श्री सैफ खान
रक्षा अध्ययन	बी.ए. भाग एक	सुश्री निशा सिंह
	बी.ए. भाग दो	श्री राहुल गिरि
	बी.ए. भाग तीन	श्री प्रशान्त कुमार
गृह विज्ञान	बी.ए. भाग एक	सुश्री फातमुज्जमा
	बी.ए. भाग दो	सुश्री चन्दा गुप्ता
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री श्वेता सिंह
संस्कृत	बी.ए. भाग एक	लागू नहीं
	बी.ए. भाग दो	लागू नहीं
	बी.ए. भाग तीन	लागू नहीं
शिक्षाशास्त्र	बी.ए. भाग एक	श्री रविन्द्र मद्धेशिया
	बी.ए. भाग दो	सुश्री नेहा प्रजापति
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री पूजा चौहान
वाणिज्य (लेखांकन एवं सांख्यिकी)	बी.काम. भाग एक	सुश्री नीतू गुप्ता
	बी.काम. भाग दो	श्री सूरज गुप्ता
	बी.काम. भाग तीन	सुश्री अंकिता सिंह
वाणिज्य (व्यावसायिक प्रशासन)	बी.काम. भाग एक	श्री संदीप गुप्ता
	बी.काम. भाग दो	सुश्री अवन्तिका तिवारी
	बी.काम. भाग तीन	श्री अजय गुप्ता
वाणिज्य (आर्थिक एवं राजकोषीय प्रशासन)	बी.काम. भाग एक	सुश्री प्रिया वर्मा
	बी.काम. भाग दो	श्री शाहीन शमीम अहमद
	बी.काम. भाग तीन	श्री आशीष उपाध्याय
बी.एड.	बी.एड भाग एक	सुश्री नम्रता मिश्रा
	बी.एड. भाग दो	श्री दीपक कुमार सिंह
प्राचीन इतिहास (एम.ए.)	प्रथम वर्ष	सुश्री राधिका
रसायनशास्त्र (एम.एस-सी.)	प्रथम सेमेस्टर	श्री अनिकेत कुमार सिंह
	तृतीय सेमेस्टर	श्री आकाश चौबे
राजनीतिशास्त्र (एम.ए.)	प्रथम वर्ष	श्री अंकित मल्ल
	अन्तिम वर्ष	सुश्री पूजा यादव
वाणिज्य (एम.काम.)	प्रथम वर्ष	सुश्री प्रियंका दूबे
	अन्तिम वर्ष	श्री राघवेन्द प्रताप सिंह

छात्रसंघ

अध्यक्ष	राहुल गिरी	बी.ए. भाग दो
उपाध्यक्ष	सुश्री प्रियंका दूबे	एम.ए. प्रथम वर्ष
महामंत्री	श्री रवि प्रताप नागवंशी	बी.ए. भाग तीन
पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री विवेक कु. विश्वकर्मा	बी.ए. भाग दो

छात्र नियंता समिति

डॉ. आर.एन. सिंह, प्रभारी

श्री रविप्रताप नागवंशी	बी.ए. भाग तीन
श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा	बी.ए. भाग तीन
सुश्री प्रियंका दूबे	एम.काम. प्रथम वर्ष
श्री सैफ खान	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री प्रियंका गुप्ता	बी.ए. भाग तीन
श्री माधवेन्द्र मिश्र	बी.एस-सी. भाग दो
श्री अनिल कुमार चौहान	बी.ए. भाग तीन
श्री प्रशान्त सिंह	बी.ए. भाग तीन
श्री अवनीश कुमार प्रजापति	बी.ए. भाग तीन

छात्रा समिति

सुश्री मनीता सिंह, प्रभारी

सुश्री रिंकी चौहान	बी.ए. भाग एक
सुश्री निशा	बी.ए. भाग तीन
सुश्री प्रिया गुप्ता	बी.काम. भाग एक
सुश्री नीतू यादव	बी.ए. भाग एक
सुश्री नीतू गुप्ता	बी.काम. भाग एक
सुश्री शकीना	बी.ए. भाग दो
सुश्री नम्रता मिश्रा	बी.एड. भाग एक
सुश्री फातमुज्जमा	बी.ए. भाग एक

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

सुश्री दीप्ति गुप्ता, प्रभारी

श्री आशुतोष चौहान	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री नितिश कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री चन्दा गुप्ता	बी.ए. भाग दो
सुश्री वर्षा जायसवाल	बी.ए. भाग तीन
सुश्री साक्षी सिंह	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री दीपशिखा सिंह	बी.एस-सी. भाग एक
सुश्री निशा सिंह	बी.ए. भाग एक
सुश्री गरिमा जायसवाल	बी.ए. भाग एक

स्वच्छता एवं बागवानी समिति

डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी

सुश्री श्वेता सिंह	बी.ए. भाग तीन
सुश्री सुषमा सिंह	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री आरती गौड़	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री सुधा सागर	बी.एस-सी. भाग दो
श्री दुर्गेश साहनी	बी.ए. भाग दो
सुश्री ऐश्वर्या पाण्डेय	बी.ए. भाग एक
श्री मंजेश गौतम	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री सुष्मिता प्रजापति	बी.एस-सी. भाग तीन

प्रार्थना समिति

श्री सुबोध कुमार मिश्र, प्रभारी

सुश्री ललिता गुप्ता	बी.ए. भाग एक
सुश्री शीतल राजभर	बी.ए. भाग एक
सुश्री सुमिता निषाद	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री नन्दनी शर्मा	बी.ए. भाग तीन
सुश्री आराधना गौड़	बी.ए. भाग एक
सुश्री अंजली चौरसिया	बी.एस-सी. भाग एक

पुस्तकालय समिति

डॉ. रमाकान्त दूबे, प्रभारी

श्री पंकज कुमार यादव	बी.ए. भाग दो
श्री अमित शर्मा	बी.ए. भाग दो
श्री विवेक कुशवाहा	बी.एस-सी. भाग एक
श्री आशीष उपाध्याय	बी.काम. भाग तीन
श्री वैभव गुप्त	बी.एस-सी. भाग एक
सुश्री ममता गुप्ता	बी.ए. भाग दो
सुश्री तनु यादव	बी.ए. भाग दो
सुश्री करिश्मा कुमारी	बी.ए. भाग दो
सुश्री नेहा प्रजापति	बी.ए. भाग दो

प्रयोगशाला समिति

डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, प्रभारी

श्री केशरी नन्दन पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग एक
सुश्री श्वेता मिश्रा	बी.एस-सी. भाग एक
श्री अमन कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री बृजेश प्रजापति	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री शिखा सिंह	बी.एस-सी. भाग दो
श्री शुभम	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री रितु सिंह	बी.एस-सी. भाग दो
श्री अनिकेत कुमार सिंह	एम.एस-सी. प्रथम वर्ष

सोशल मीडिया समिति

श्री वागीश राज पाण्डेय, प्रभारी

सुश्री अवन्तिका तिवारी	बी.काम. भाग दो
श्री शाहीन शमीम अहमद	बी.काम. भाग दो
श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह	एम.काम. द्वितीय वर्ष
श्री सूरज गुप्ता	बी.काम. भाग दो
श्री आकाश चौबे	एम.एस-सी. तृतीय सेमे.

दीवाल पत्रिका समिति

सुश्री प्रगति पाण्डेय, प्रभारी

श्री राहुल गिरि	बी.ए. भाग दो
सुश्री राधिका	एम.ए. प्रथम वर्ष
सुश्री पूजा यादव	एम.ए. अंतिम वर्ष
श्री अंकित मल्ल	एम.ए. प्रथम वर्ष
श्री दीपक सिंह	बी.एड. भाग दो
श्री संदीप गुप्ता	बी.काम. भाग एक
सुश्री अंकिता सिंह	बी.काम. भाग तीन
सुश्री पूजा चौहान	बी.ए. भाग तीन

शोध समिति

डॉ. कृष्ण कुमार, प्रभारी

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री अंकित मल्ल	एम.काम. प्रथम वर्ष
श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह	एम.काम. अंतिम वर्ष
श्री दीपक कुमार सिंह	बी.एड्. भाग दो
सुश्री राधिका गुप्ता	एम.ए. प्रथम वर्ष

छात्र प्रवेश समिति सत्र 2017-18

श्री रवि प्रताप नागवंशी	बी.ए. भाग तीन
सुश्री सीमा	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री राखी चौरसिया	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री राजनन्दिनी चौधरी	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री श्रेया शुक्ला	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री नेहा प्रजापति	बी.ए. भाग दो
सुश्री राधिका	बी.ए. भाग तीन
श्री दीपक प्रजापति	बी.काम. भाग तीन
सुश्री प्रियंका दूबे	बी.काम. भाग तीन
सुश्री शीला निषाद	बी.काम. भाग तीन
सुश्री अलका श्रीवास्तव	एम.ए. अन्तिम वर्ष
सुश्री मोनी सिंह	एम.ए. अन्तिम वर्ष

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. आर.एन. सिंह
सदस्य	सुश्री प्रियंका मिश्रा
	श्री अभिषेक वर्मा
	डॉ. कुसुमलता सिंह
	श्री नवनीत कुमार सिंह
	सुश्री आम्रपाली वर्मा
	डॉ. अभिषेक सिंह
	श्री प्रखर वैभव सिंह
	सुश्री हिमान्द्री सिंह
	डॉ. आरती सिंह

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता
उपाध्यक्ष	डॉ. आरती सिंह
महामंत्री	श्री विनय कुमार सिंह
कोषाध्यक्ष	डॉ. अभिषेक
सदस्य	श्रीमती कविता मन्ध्यान्
	श्री नंदन शर्मा
	डॉ. रामसहाय
	श्री मृत्युन्जय कुमार सिंह

पुरातन छात्र परिषद

श्री नन्दन शर्मा, प्रभारी

अध्यक्ष	श्री मनीष कुमार दूबे
उपाध्यक्ष	श्री कृष्णानन्द
महामंत्री	श्री दीपचन्द
सहमंत्री	श्री गौरव कुमार सिंह
कोषाध्यक्ष	डॉ. विशाल कुमार
सदस्य	श्री किशन देव
	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री दीपक कुमार
	श्री जयहिन्द यादव
	श्री सचिन कुमार
	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय
	श्री सृष्टि सिंह
	श्री त्रिपुरेश कुमार
	श्री विनीत कुमार पाण्डेय
	श्री आदर्श कुमार सिंह

प्रशासनिक समिति

प्रशासक	श्री मृत्युन्जय कुमार सिंह
सदस्य	श्रीमती कविता मन्ध्यान्
	श्रीमती पुष्पा निषाद
	श्रीमती विभा सिंह
	श्री विनय कुमार सिंह
	श्री सुबोध कुमार मिश्र
	डॉ. अभिषेक सिंह
	श्री नंदन शर्मा
	डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र
	डॉ. संजय तिवारी

कर्मचारी संघ

अध्यक्ष	श्री अमित कुमार
उपाध्यक्ष	श्री शम्भू प्रताप सिंह
कोषाध्यक्ष	श्री झब्बर शर्मा
मंत्री	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव
सदस्य	श्री ओम प्रकाश
	श्री विजय कुमार मिश्रा
	श्री मुकेश शर्मा
	श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय
	श्री प्रदीप कुमार यादव

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	प्रो. यू.पी. सिंह	पूर्व कुलपति
उपाध्यक्ष	श्री धर्मेन्द्र नाथ वर्मा	अधिवक्ता
प्रबन्धक	श्री महन्त योगी आदित्यनाथ	मुख्यमंत्री
सदस्य	श्री प्रमोद चौधरी	प्रतिष्ठित व्यवसायी
	श्री योगी त्यागीनाथ	धर्माचार्य
	श्री पारसनाथ मिश्रा	अधिवक्ता
	श्री प्यारे मोहन सरकार(स्व.)	अधिवक्ता(स्थान रिक्त)
	श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	शिक्षाविद्
	श्री योगी कमलनाथ	धर्माचार्य
	श्री रामजन्म सिंह	प्रधानाचार्य
	श्री द्वारिका तिवारी	समाजसेवी

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज	
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. अभिषेक सिंह	प्रवक्ता, रक्ष अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती चलिनी गणवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष मिश्रा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री होन्द प्रताप	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरूण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नयी दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव
शोध समन्वयक	श्री सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. यू.पी. सिंह
	प्रो. शिवाजी सिंह
	प्रो. कपिल कपूर
	डॉ. सन्तोष शुक्ला
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक
	डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी (मुख्यमंत्री), प्रबन्धक	सदस्य
प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह (प्राचार्य), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष कुमार दूबे, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
श्री रामरूप, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. मृत्युन्जय कुमार सिंह, अनुशासन	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, शिक्षक	सदस्य
श्रीमती कविता मन्ध्यान, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चन प्रकोष्ठ की बैठक में
पूज्य महाराज जी, प्रो. रामअचल सिंह जी तथा शिक्षक गण

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 16 जुलाई से स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करने की योजना का क्रियान्वयन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापक।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- प्रतिदिन विद्यार्थियों को सारांश द्वारा कक्षाध्यापन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगीराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण छात्राओं हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- हमारे महापुरुष, जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत प्रयोग के तौर पर मंझरिया गाँव का सम्पूर्ण विकास।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- मासिक ई-पत्रिका ध्येय पथ का प्रकाशन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं .....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती .....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य/बी.एड. में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा